अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

अंगिराऽसि जंगिड:

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMAN

श्री विश्वकर्मणे नम:

वर्ष: 114, अंक: 08, अगस्त-2021 ई., तारीख 22-27 प्रति माह

POSTED UNDER LICENCE NO. U(DN) 39/2021 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

कुल पृष्ठ-64

प्रधान- नेमीचन्द जांगिड

सम्पादक-ओमप्रकाश सेवाल

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रथम प्रेरक

पं. बाबू गोरधनदास जी शर्मा, मथुरा

डॉ. इन्द्रमणि जी शर्मा, लखनऊ

पं. पालाराम जी शर्मा, रायपुरवल-पंजाब

पत्र के जन्मदाता

पं. डालचन्द जी शर्मा, जहाँगीराबाद-उ.प्र.

समाज के महापुरुष

गुरूदेव पं. जयकृष्णजी मणीठिया, दिल्ली

महासभा भवनदानकर्ता, दिल्ली

स्व. श्रीमती सुन्दरदेवी, दिल्ली

राष्ट्रीय प्रधान दानवीर संत स्व. श्री नेमीचन्द जांगिड
अमर रहें।

श्रद्धावंत!

उच्च स्तरीय कमेटी/कोर कमेटी एवं समस्त कार्यकारिणी महासभा

जननी जने तो भक्त जन कै दाता कै सूर,
नहीं तो जननी बांझ रहै व्यर्थ गवावहिं नूर।।

इसी कहावत को चरितार्थ करते हुए आज एक व्यक्तित्व से आपको परिचित करवाते हैं **श्री सत्यनारायण जी शर्मा (कोटपुतली वाले)–जन्म तिथि : 07–जुलाई–1957**

पिताजी एवं माताजी : श्री भगवान सहाय शर्मा (टोपी वाले) एवं श्रीमती फूलवती शर्मा

धर्मपत्नी : **श्रीमती सुनीता शर्मा**

सुपुत्र-पुत्रवधु : श्री हेमन्त शर्मा- श्रीमती अनू शर्मा
सुपुत्र-पुत्रवधु : श्री अनुज शर्मा- श्रीमती पूजा शर्मा
सुपुत्र-पुत्रवधु : श्री अरूण शर्मा-श्रीमती मोनिका शर्मा

श्री सत्यनारायण शर्मा का पूरा जीवन संघर्ष और सफलता की कहानी है। उनके संघर्ष और मेहनत का ही प्रतिफल है कि एक छोटे से गांव से निकलकर समाज में इतने बड़े पटल पर छा जाना पूरे भारतवर्ष में अपने फर्नीचर और इंटिरियर के व्यापार को फैलाना विशेषत: आपका कार्यक्षेत्र डिफेन्स सेक्टर में रहा है जिसमें आज आपके तीनों पुत्र आपके साथ कंधे से कंधे से मिलाकर प्रगति के पथ अग्रसर है। दिल्ली में आपके शुरूआती दिनों में आपने अपने बड़े भाई श्री ओम प्रकाश शर्मा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष दिल्ली के साथ मिलकर रोड़ कन्स्ट्रक्शन, पीडब्ल्यूडी, सिविल वर्क आदि में हाथ बंटाया। आपके समाज सेवा के कार्यो में अपने गांव कोटपूतली में 85 हजार लीटर का ओवरहेड टेंक बनवा कर पूरे गांव को पीने का पानी उपलब्ध करवाना, अपने पिताजी के बनाये हुए शिवालय का जीर्णोद्धार, गंगा सागर में अपनी माताजी की इच्छानुसार निर्माण कार्य, कोटपूतली चौराहे पर प्याऊ का निर्माण करवाना, ब्राह्मण कन्या का विवाह करवाना आदि अनेकों ऐसे सेवा कार्य हैं जिनको यहां उल्लेखित करना असम्भव है।

आज पूरे भारत वर्ष के जांगिड समाज में शायद ही कोई हो जिसने **जांगिड कृषि फार्म,** एन.एच.-8 कोटपूतली राजस्थान का नाम ना सुना हो। 14 फरवरी 2021 का वो ऐतिहासिक दिन जब हजारों भाई बहन, युवा, वरिष्ठ, आम और खास यहाँ पहुँच कर एक ऐतिहासिक पल के गवाह बने मौका था अखिल भारतीय जांगिड ब्राहमण महासभा के नव निर्वाचित राष्ट्रीय प्रधान दानवीर संत श्री नेमी चंद जी जांगिड, ''गुगरिया'' एवं कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह । जहां देश की सबसे बड़ी पंचायत लोक सभा के अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी ने पहुंच कर पूरे जांगिड सुथार समाज का मान बढ़ाया।

इतने शानदार एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए वहाँ पहुंचे हजारों समाज बंधुओं ने श्री सत्यनारायण शर्मा, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता शर्मा, उनके तीनों सुपुत्रों

हेमन्त शर्मा, अनुज शर्मा और अरुण शर्मा सहित उनके पूरे परिवार का हार्दिक आभार प्रकट किया। माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी ने भी श्री सत्यनारायण शर्मा जी को इतने सुंदर आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। जब कार्यकारिणी के सभी साथी इस बात को लेकर चिंतित थे कि इतने दूरदराज क्षेत्र में कैसे लोगों के रहने सहने की व्यवस्था होगी, कैसे आने-जाने की एवं उनके खान-पान की व्यवस्था होगी, लेकिन श्री सत्यनारायण शर्मा जी व उनके तीनों सुपुत्रों ने बखूबी इस दायित्व को निभाया, समाज के सम्मान व आतिथ्य के लिए अपने कृषि फार्म हाउस में खड़ी फसल को भी कटवा कर गौशाला को भेंट कर दिया ताकि समाज बंधुओं को किसी भी प्रकार की जगह की कमी ना पड़े। आपने लगातार चाहे वह 13 फरवरी की शाम हो या फिर 14 फरवरी का पूरा दिन आपने बेइंतेहा प्यार और सम्मान समाज को दिया समाज सदैव आपका आभारी है सम्पूर्ण जांगिड सुथार समाज एवं राष्ट्रीय प्रधान श्री नेमीचंद जांगिड जी की कार्यकारिणी आपका बहुत-बहुत आभार प्रकट करती है। आपने धन खर्च से आगे बढ़कर समाज को जो मान सम्मान दिया वो महासभा के इतिहास मे स्वर्णिम अक्षरों मे सदैव अंकित रहेगा। आदरणीय स्व. श्री नेमीचंद जी कई बार आपसी बातचीत में समाज के प्रति आपके सेवाभाव का जिक्र करते थे, जब जब वह आपके व्यक्तित्व के बारे में बात करते थे तो यही कहते थे पैसे बहुत लोग खर्च कर सकते हैं, लेकिन जिस भाव से जिस स्नेह से एवं जिस समर्पण से श्री सत्यनारायण जी के तीनों पुत्र एवं उनका पूरा परिवार उनके भाई इस सेवा कार्य में लगे हुए हैं ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है यह समाज आपसे अपेक्षा करता है कि आप सदैव इसी तरह से समाज को समर्पित भाव से अपनी सेवाएं देते रहें एवं अपने तीनों पुत्रों को भी इसी प्रकार का सेवा भाव उपकार आतिथ्य आदि के सदगुण सिखाते रहे।

सेवा और सत्कार में अग्रणी रहने वाले श्री सत्यनारायण शर्मा की एक विशेषता यह भी है कि आप जिस प्रकार अपने व्यापार में पारंगत हैं उसी प्रकार आप समाज उत्थान में हंसने हंसाने, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, भजन-गायन आदि में भी उतनी ही रुचि रखते हैं। आपसे मिलने वाला चाहे कोई छोटा हो या बड़ा हो वो कभी भी आपसे मिलकर इस फर्क को महसूस नहीं करता। हमारे स्वर्गवासी राष्ट्रीय प्रधान दानवीर संत श्री नेमीचंद जी शर्मा और आपकी यह खूबी बहुत मिलती है जैसे कि श्री नेमीचंद जी शर्मा का भी विशेष गुण था कि उनसे मिलने वाला कोई भी व्यक्ति कभी अपने आप को छोटा महसूस नहीं करता था।

आपके सुखद एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए पुनः आपको सम्पूर्ण जांगिड सुथार समाज एवं अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं!, धन्यवाद!, आभार!

अनिल एस. जांगिड, महामंत्री महासभा

'जांगिड ब्राह्मण' पत्र के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज में भावात्मक एकता, सहभागिता, सदाचार एवं नैतिकता जैसे गुण प्रोत्साहित करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यत्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को उजागर कर उनके उन्मूलन हेतु जनाधर तैयार करना।
6. पत्र प्रत्येक अंग्रेजी मास की 22-27 तारीख को प्रकाशित होता है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्र में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाषः- 011-42420443, 011-42470443

Website: www.abjbmahasabha.com

E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

प्रधान-स्व.पं.नेमीचन्द शर्मा "जांगिड"	-	09825231894
महामंत्री-पं.अनिल एस. "जांगिड"	-	09015815597
सम्पादक-पं.ओमप्रकाश सेवाल "जांगिड"	-	09416104774
सह-सम्पादक-पं.मनोहर लाल शर्मा "जांगिड"	-	09968910271

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(01-10-2018 से)

सदस्यता		रुपये
प्लैटिनम सदस्य	-	1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	-	51,000/-
रजत सदस्य	-	25,000/-
विशेष सम्पोषक	-	21,000/-
सम्पोषक सदस्य	-	11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	-	2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	-	500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	-	240/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 20000/-,वार्षिक 200000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 13000/-,वार्षिक 125000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 9000/-, वार्षिक 91000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 5000/-, वार्षिक 51000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 30000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-,वार्षिक 15000/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 501/-

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के **स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं. 61012926182 (IFSC Code: SBIN0030139)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-एसबीआई, एसएमई टाऊन हॉल, चांदनी चौक, दिल्ली-06) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते हैं। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम "अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा" अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें। तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है।महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है।दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

सोमदत्त शर्मा "जांगिड"
कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 9811131031

अनुक्रमणिका

07. सम्पादकीय.....

09. समाज के महापुरूष....

11. सफलता और असफलता....

12. राजस्थान तृतीय मीटिंग सम्पन्न..

15. समाजजनों की सेवा में सादर निवे....

16. दुबई में भी बनाया गया स्वतन्त्रता...

17. लौट चलो पुरानी जड़ो की ओर..

18. मन की पवितत्रता

19. समाज सेवा की महिमा

21. प्रा0सभा हरियाणा की त्रैमासिक मीटिंग.

23. प्र0सभा छत्तीसगढ व जिलासभा रायपुर.

24. चुनाव अधिसूचना- महाराट्र

26. प्र0सभा गुजरात- कच्छ व भरूच...

27. समाज अच्छे संस्कार अपनायें..

28. मुण्डका में महासभा भवन-दानदाताओं..

36. प्रधानजी का साप्ताहिक संवाद.9,10,11,12

44. ओम विवकर्मणेनमः

46. जिम्मेदारी सबकी..

47. समाज में नारी को उचित सम्मान कब?

48. जांगिड समाज की होनहार प्रतिभाएं..

51. कविताएं..

53. बुढ़ापा

54. पिछडे वर्गों के लिए डॉ. बनने कों

56. चार्ज का विवरण

59. वैवाहिक विज्ञापन

60. शोक संदेश

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)

भारत व्हील

शर्मा एण्ड कम्पनी

एन.आर.जे.इंजिनियर्स प्रा0लि0

ब्लेज इंटरनेशनल

Magzine Designed by Chandan

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर मास की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही हैं वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही है, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही हैं। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ हैं तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती हैं।?

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्ववानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की 10 तारीख तक महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें- बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे हैं। जिससे हमेंश पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नहीं हो पाएंगे

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अन्त में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है तो उसका संदर्भ अवश्य दें। तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।

(6)अस्वीकरण-पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के व्यक्तिगत विचार होते हैं। महासभा का उनसे सहमत होना आवश्यक नही है।

-सम्पादक

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

आइये अन्धानुकरण त्याग दें

वर्तमान समय में हम बिना सोचे समझे किसी का भी अनुकरण करने लग जाते है। हमारे मनीषियों ने हमारे जीवन के लक्ष्य निर्धारित किये हुए है जो हमारे देश, काल, स्थान के अनुरूप हैं, हमारा देश उष्ण कटिबन्ध खण्ड में होने के कारण यहां पर प्रत्येक पैदा होने वाली वस्तु शीतीय कटिबन्ध की अपेक्षा जल्दी विकसित हो जाती है। इसी प्रकार हमारी सन्तानें भी यूरोपीय देशों की अपेक्षा जल्दी विकसित हो जाती है। कुछ वर्ष पहले तक हमारे यहां शादी की उम्र 18 से 21 होती थी। यानी की युवती 18 और 21 का युवक। लेकिन अभी बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहें हैं, ये कहकर विवाह की उम्र पार कर दी जाती है और युवक, युवतियां 28-30 वर्ष के हो जाते हैं जो शीतीय देशों में तो चल जाता है। लेकिन हमारे यहां ये अनुचित है।

हमारे युवक युवतियां जब पढ़ लिख जाते है तो उनकी आयु 30-32 वर्ष की हो जाती है तथा उन्हें पैतृक कार्य करने में हीनता अनुभव होती है। नौकरी आसानी से मिलती नहीं।भूल भटक कर कोई लड़की वाला आ भी जाता है तो अनेक प्रकार के प्रश्न पूछने लगते है, रंग कैसा है, लम्बाई कितनी है, शिक्षा और उम्र कितनी है आदि आदि। जिस युवक के लिये वधु देखने, यदि बहिन भी जाती है तो वह संयोग लगभग नही बन पाता।वे केवल त्वचा, नाक, मुंह, केश आदि के अतिरिक्त उनके शब्द कोष में और शब्द ही नहीं होता जबकि माता-पिता बात-बातों में लड़की के संस्कार, उसकी आदतें, उसकी कार्यशैली, उसका कौशल तथा जीवन के प्रति विचारधारा का अनुमान लगाकर ही हां या ना करते है।यह प्रथा अति उत्तम थी और दाम्पत्य जीवन इतना सरल व सपाट चला करता था कि न ''मैं'' था, न ''तुम'' था, केवल ''हम'' था। आवश्यकता से अधिक का लोभ लालच ही नहीं था।

लड़के ही नही लड़की भी किसी को ठिगना, किसी को सांवला, किसी को साधारण नौकरी बताकर नकारती रहती है। लडकियों को चाहिए कि वे केवल नौकरी के भरोसे न होकर स्वरोजगार में सहभागिनी बनने का प्रयत्न करें। विवाहोपरांत भी दो-तीन बच्चों की माताएं एम ए बी एड करती देखी है। हमारा देश जातियों व धर्मो का देश है। विजातिय या विधर्मी शादी भी लगभग असफल हो जाती है या जीवन प्रयन्त कलहग्रस्त होकर नरक बन जाती है।

अतः युवक युवतियों को चाहिए कि पांरम्परिक एवं पारिवारिक विवाह को ही प्राथमिकता दें।

आजकल हम अन्धानुकरण के कारण पब्लिक स्कूल शिक्षा पर अधिक जोर देने लगे है। राजकीय स्कूलों में जहां आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ अनौपचारिक रूप से संस्कारिक और नैतिक शिक्षा देकर एक सभ्य नागरिक बनाने का हर संभव प्रयत्न किया जाता है। लेकिन इन को छोड़कर मम्मी-डैडी सिखाने वाले पब्लिक स्कूलों को पूजने लगे हैं। वहां पर केवल पैसा कमाने की तथाकथित उच्च शिक्षा प्राप्त करके लड़के-लड़कियां विदेशों में सैटल हो जाते हैं। और जिन माता-पिताओं में जिस आशा और अपेक्षाओं से स्वयं भूखे रहकर, अपनी इच्छाओं का दमन करके उन्हें यहां तक पहुंचाया था, जीर्ण अवस्था में नितांत अकेली कोठरी में उनको याद करते-करते प्राण त्याग देते हैं। पडोसी येन-केन-प्रकारेण दाह संस्कार कर देते है और विदेशी बच्चें वाट्स अप पर संवेदना प्रकट करके अपने कर्त्तव्य की इतिश्री कर लेते है। इनसे अपना प्राईमरी पास भोलू लाख दर्जे अच्छा है जो 24 घण्टे अपने वृद्ध माता-पिता की सेवा में लगकर पूरा घर भी सम्भालें हुए हैं। भारतवर्ष को इस कान्वेंट शिक्षा ने यूरोप बना छोड़ा है। जबकि यूरोपीयन हमारे देश में शांति की खोज में धार्मिक स्थलों पर भीड़ जुटाये खड़े है। और हम उनकी उतरन की पहनने हेतु अपना धन, मान-सम्मान सब लुटाये जा रहे है। क्या ये अन्धानुकरण नही है।

आइये वेदों की ओर लौट कर अनुकरणीय पुरातन जीवन शैली अपनायें, क्योंकि नयी जीवन शैली हमें बारूद के ढेर पर ले जा रही है। नही तो इसमें केवल और केवल मानव जीवन में बैचेनी, कुंठा और विनाश के अतिरिक्त दिया क्या है। मानव को मशीन बना डाला। आधुनिक शिक्षा हमें अपनी जड़ों से दूर, अज्ञान, अंधकार, अन्धानुकरण तथा प्रमाद की तरफ ले जा रही है। सामाजिक संचार तंत्र (सोशल मीडिया) ने बंदर के हाथ में उस्तरा(मोबाईल) थमा दिया है। जो ऐसे वेद ज्ञान विहीन व्यक्तियों के हाथों में है जिन्हें ईश्वर, धर्म तथा मानव जीवन के मर्म का ज्ञान तो दूर अपने जीवन में उद्देश्य से भरपूर वेद शास्त्रों का दर्शन भी नहीं किया है। क्योंकि मोबाइल का उज्जवल पहलू न देखकर केवल काले पहलू का ज्यादा प्रयोग होता है। हमारे कर्म ठीक-ठाक होने के लिए ज्ञान ठीक-ठाक होना अति आवश्यक है।

अतः कोई भी कार्य स्वविवेक से उचित होना चाहिए न कि अन्धानुकरण।

संपादक-ओम प्रकाश सेवाल

''समाज के महापुरूष ''पं. जयकृष्ण मणीठिया गुरूदेव''

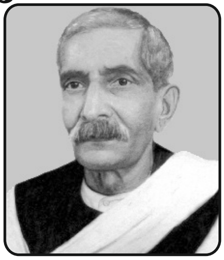

श्री जय कृष्ण जी मणीठिया का जन्म भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी (श्रीकृष्ण जन्माष्टमी) सन् 1877 को इनके नाना मामा के गृह ग्राम नरेला - दिल्ली के निकट बांकनेर ग्राम में हुआ था। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को जन्म लेने के कारण ही इनका नाम जयकृष्ण रखा गया। इनके पिता का नाम पं. छज्जू सिंह एवं माता श्रीमती पार्वती देवी थी। इनकी माता पार्वती कृष्ण भक्त थी। इनकी प्रारम्भिक शिक्षा उर्दू, फारसी व अंग्रेजी भाषा में दिल्ली के विद्यालय से हुई। गुरूदेव जी प्रारम्भ से ही तीक्ष्ण बुद्धि एवं अनोखी प्रतिभा के धनी थे।छात्र जीवन में ही इनके हृदय में एक चोट अंकित हो गई थी। उन्होनें देखा कि सभी ब्राह्मण, क्षत्रिय व वैश्य जातियां शिल्पी जातियों को घृणा की दृष्टि से देखते थे। इस पर उन्होने जांगिड जाति की उत्पत्ति की खोज आरम्भ की जिसके लिए उन्होनें अत्यंत कष्ट उठाए।

मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण करके उन्होंने रेलवे वर्कशाप में स्टोर कीपर की नौकरी प्रारम्भ की। आपने बाल विवाह की रूढ़ि को तोड़ते हुए 19 वर्ष की आयु में 1896 में पहाड़ी धीरज निवासी गंगाराम की पुत्री यमुना देवी से विवाह किया।1898 में इनके एक मात्र पुत्र दौलत राम जन्म हुआ। गुरू जी ने रेलवे स्टोर कीपर के बाद रेलवे के डाक विभाग तथा फिर चावड़ी बाजार में फोटोग्राफर की दुकान तथा अन्त में प्रकाशक का कार्य भी किया। तथा सारा समय समाज सेवा के लिए अर्पण कर दिया। इन्ही की प्रेरणा से डॉ. इन्द्रमणि जी, पं. पालाराम शर्मा जी, पं. गोर्वधन दास जी व बुद्व सिंह शर्मा एवं पं. डालचन्द्र जी को प्रेरित होकर महासभा स्थापना हेतु 20.12.1905 को बैठक की तथा महासभा का बीजारोपण किया। 'जांगिड़ समाचार' पत्र 15.01.1908 से प्रारम्भ किया। तब से आज तक यह पत्र निरंतर प्रकाशित हो रहा है तथा जांगिड़ ब्राह्मण समाज का मुखपत्र बन गया। जयकृष्ण जी ने 16 मई 1909 को दिल्ली में महासभा की विधिवत स्थापना की जयकृष्ण जी अनेक वर्षो तक पत्र के सम्पादक भी रहे। इस समय उन्होने शिल्प जाति के उत्थान हेतु महत्वपूर्ण लेख लिखे व समाज को जाग्रत किया। इन्होने महासभा के महांमत्री के रूप में भी कई वर्ष कार्य किया तथा संगठन, शिक्षा एवं व्यवहार की शुद्धि पर व्याख्यान दिए। इनके प्रचार से समाज में जागृति आने लगी। इस दौरान समाज पर विरोधी लोगों ने आक्षेप लगाए थे जिनका गुरूदेव जी ने करारा उत्तर दिया। इन्ही के प्रेरणा से बांकनेर गांव के पं. टीकाराम व लज्जाराम जी ने सड़क के किनारे साढ़े छः बीघा भूमि महासभा को दान दी जहां महासभा का सातवां अधिवेशन मनाया गया। ये जीवन पर्यन्त महासभा एवं समाजोत्थान हेतु कार्य करते रहें इन्होंने समाज को प्रेरणदायी संदेश

देकर जागृत किया। श्री जयकृष्ण जी का समाज कार्य के लिए जीवन समर्पित था तथा नि:स्वार्थ भाव से कार्य करने की लग्न थी। सर्वप्रथम गुरूदेव जी ने गौत्रावली की जिसमें सतत् खोज से 1444 शासन सम्मिलित कर प्रकाशित की। यह एक अभूतपूर्व कदम था। इस प्रकार गुरू जी ने अनेक साहित्य प्रकाशन करवाए थे। दिन रात की दौड, विरोधियों की टक्कर तथा नित नई आपत्तियों से जूझना तथा समस्त भारत में भ्रमण से प्राप्त अनुभवों से ये इतने तार्किक बन गए थे कि अच्छे अच्छे विद्वान भी इनका सामना करने से घबराते थे। हनुमान दत्त जोशी के विरूद्व मानहानि केस में इनकी अनुपम योग्यता का परिचय मिलता है। प्रत्येक गवाही को जिरह के लिए तैयार करना व कानून के दांव पेच जानने की योग्यता का परिचायक है। प्रमाण देकर वे विरोधियों की अकड़ को दुरूस्त कर देते थे। सामाजिक जीवन में कुरीति निवारण के लिए भी अथक परिश्रम किया तथा स्वजाति पंडितो से ही संस्कार कराए। जांगिड़ ब्राह्मण समाज की उन्नति इनका परमधर्म एवं जीवन कार्य था।

समाज के महानपुरूष, तपोनिष्ठ एवं महान विभूति का 21 फरवरी 1947 को चुरू में अकस्मात् हृदय गति रूक जाने से देवलोक गमन हो गया। इस समाचार के सुनते ही समस्त जांगिड़ समाज हतप्रभ हो गया। ये जांगिड समाज को जागृत करने वाले प्रथम प्रेरणादायक महानायक थे। उनके द्वारा लगाया गया- 'महासभा' रूपी पौधा आज वट-वृक्ष का रूप ले चुका है। अत: हम सबका भी कर्त्तव्य है कि उनके द्वारा निर्देशित मार्ग पर चलकर महासभा रूपी इस वट-वृक्ष की रक्षा कर उनके सपनों को साकार बनाएं।

-सहसम्पादक-मनोहर लाल शर्मा

समाजसेवी अणदाराम जांगिड को लाडनू में सम्मान

लाडनू के विश्वकर्मा मंदिर में 20 जुलाई 2021 मंगलवार की शाम 5 बजे समाजसेवी अणदाराम जांगिड(बीएसएनएल-कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी) के लाडनू आगमन पर समाजबंधुओ ने स्वागत किया । समाजसेवी अणदाराम जांगिड ने सामाजिक कुरूतियों के बारे में भी चर्चा की । इस दौरान जांगिड समाज लाडनू के अध्यक्ष बाबूलाल जी, उपाध्यक्ष हुलाश जी किंजा, उपमंत्री कमल जी तिराणीया, युवा संगठन अध्यक्ष मुरली मनोहर झींटावा, युवा संगठन प्रभारी गोपाल जी खलवाणीया, सुमित जी तिराणीया, युवा प्रकोष्ठ लाडनू तहसील अध्यक्ष जितेंद्र किंजा, उपाध्यक्ष जयप्रकाश अठवासिया आदि उपस्थित थे ।

उमाशंकर जांगिड
जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ नागौर, 9461314959

सफलता और असफलता

सफलता और असफलता एक ही सिक्के के दो पहलू है। असफलता हर मनुष्य के जीवन में आती है। असफलता से सम्भलकर ही मनुष्य सफलता प्राप्त करता है। असफलताएं हमें बहुत कुछ सिखाकर जाती है उसमें हुई गलतियों से हम शिक्षा लेते है। अतः कभी कभार असफल हो जाने पर हाथ पर हाथ रखकर नहीं बैठना चाहिए। एक दृष्टांत है एक राजा थे उन्होंने युद्ध किया। युद्ध में वे हार गये और निराश होकर एक कमरे में विश्राम करने लगे। उन्होंने यह सोच लिया था कि मैं अब युद्ध नहीं जीत सकता और मन निराशा से भर गया। उन्होंने लेटे लेटे एक मकड़ी को ऊपर चढ़ते और गिरते हुए देखा। वह ऊपर चढ़ती थी और फिर गिर जाती थी लेकिन उसने हार नहीं मानी और अंत में वह अपने जाले तक जाने में सफल हो गयी। तब राज ने यह शिक्षा ली कि जब यह मकड़ी इतने प्रयासों से असफल होकर हार नहीं मानी और प्रयास करती रही। अंत में चढ़कर अपने जाले तक पंहुच गयी तो मुझे भी पुनः युद्ध करना चाहिए। राजा ने पुनः युद्ध किया और वह युद्ध जीत जाने में सफल हो गया।

किसी मानव ने जीवन मे कभी असफलता का स्वाद न चखा हो शायद ही ऐसा व्यक्ति कोई हो। अन्तर मात्र इतना है कि कमजोर दिल के लोग असफलता को मृत्यु तुल्य मानकर अपने उत्साह को नष्ट कर लेते है, जबकि मजबूत इरादे के लोग अपनी असफलता से भी सीख कर दो गुने उत्साह से पुनः लक्ष्य प्राप्ति हेतु सक्रीय हो जाते है।

किसी विदेशी वैचारिक ने कहा है कि असफलता का मतलब ये नहीं कि आप फेल है, अपितु आप अभी तक सफल नहीं हुए है। बस पुनः नीतिकार कहते है:- ''यत्ने कृते यदि न सिद्धयति कोडत्र दोषः।।'' यहां दो धारणाएं है। एक नकारात्मक, दूसरा सकारात्मक कुछ लोग असफल होने पर परिस्थिति तथा भाग्य के ऊपर दोषारोपण करके स्वयं को बचाने का प्रयास करते हुए कहते है कि मैने तो पूरा प्रयास किया फिर सफल नहीं हुआ तो इसमें मेरा क्या दोष है, ये नकारात्मक है। जबकि असफल होने पर सकारात्मक सोच वाला व्यक्ति विचार करता है। सूक्ष्म निरीक्षण करता है कि प्रयास करने में कहां कमी रह गयी?

असफलता हमारी स्थिति का सही बोध करती है। असफलता एवं बुरा समय हमें शत्रु-मित्र, धैर्य-अधैर्य का ज्ञान कराते है। असफलता अनुभव देकर जाती है।

मत घबरा पतझड़ से मानव, धीरज धर ऋतुराज आ रहा।
नहीं ठहरती निशा निराशा, सूरज ये अरूणाय आ रहा।।

किसी ने नैराश्य की कालिमा से ग्रस्तजनों को नव प्रभात के आगमन की बात कह आश्वस्त किया है:-

गम की अंधेरी रात में मन को न मायूस कर।
सुबह तो आयेगी जरूर सुबह का इन्तजार तो कर।।

क्या महाराणा प्रताप को सफलता मिली? नहीं न। क्या लक्ष्मीबाई को सफलता मिली? नहीं न। असंख्य उदाहरण है। महाराणा प्रताप भारत माता के स्वाभिमान की सुरक्षा हेतु जंगल में रहना स्वीकार करते है। घास की रोटी खाते है। भूखे बच्चों को देखकर भी वे पथ से नहीं डिगे। ठीक है वे चित्तौड़, मेवाड़, न बचा पाये। महाराणा प्रताप आज भी जीवन्त है।

परीक्षा में असफल होने पर, साक्षात्कार में चयन न होने पर चुनाव में पराजित होने पर, व्यापार मे घाटा लगने पर, घबराये बिना, शांत होकर एकान्त में बैठो, शांत दिमाग से सोचो कि क्या मै दुनियां में अकेला हूँ जिसके साथ ये परिस्थिति बनी। क्या इससे पहले किसी ओर व्यक्ति पर ऐसा कष्ट नहीं आया? उत्तर को सम्भालकर मन मे रखों शांति मिलेगी क्योंकि आपके मन में उत्तर आयेगा कि न तो मैं पहला व्यक्ति हूँ। जिसके साथ ये घटना घट रही है। न ही मैं अन्तिम व्यक्ति हूँ। ये सब खेल करोड़ो के साथ हुए है और करोड़ों बार हुए है। तब घबराहट से समाधान नहीं निकलेगा। उठो समस्त निराशाओं को झटक कर उतार दों। आत्म विश्वास की डगमगाती नौका को धैर्य की पतवार से धीरे-धीरे सुरक्षित किनारें लगाओं। फिर वसन्त आयेगा। फिर कोपलें, कलियां, फूल, फल लगेंगे। ये जीवन-उपवन सैकड़ो पतझड़ो और वसन्त का साक्षी है। असफलताओं से घबराओं नहीं, सदा मुस्कराते रहों।

रोहिताश्व जांगिड, से.नि.वरि.अध्यापक

अ0भा0जां0ब्रा0 महासभा, प्रदेश सभा, राजस्थान की कार्यकारिणी की तृतीय मीटिंग दिनांक 08.08.2021 (वर्चुअल) का कार्यवाही विवरण

आज रविवार, दिनांक 08.8.2021 को मध्यान्ह 12.15 बजे प्रदेशसभा भवन, 2/I, सेक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर में श्री संजय शर्मा(हर्षवाल) की अध्यक्षता में प्रदेशसभा, राजस्थान की कार्यकारिणी की तृतीय मीटिंग(वर्चुअल)आयोजित की गई।

मीटिंग में सर्वप्रथम भगवान श्री विश्वकर्मा जी की आरती के उपरान्त महामंत्री श्री रमेशचन्द्र शर्मा ने मीटिंग में जुडे सभी महानुभावों, कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का हार्दिक अभिनन्दन करते हुए कहा कि प्रकृति की क्रूर नियति ने दिनांक 5 जुलाई, 2021 को हमारे समाज के दानवीर, गौसेवी एवं प्रधान, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली, श्री नेमीचन्द जी शर्मा को हमसे छीन लिया है अतः उनकी आत्मा की शान्ति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया एवं कुछ समय बाद मीटिंग की कार्यवाही प्रारम्भ की गई। मीटिंग में ऑनलाईन लगभग 265 महानुभाव जुडे। मीटिंग का एजेण्डा इस प्रकार था:-

1. पूर्व मीटिंग दिनांक 16.05.2021 के कार्यवाही विवरण का पठन एवं अनुमोदन तथा कोषाध्यक्ष द्वारा आय-व्यय विवरण का पठन एवं अनुमोदन।

2. समस्त जिलाध्यक्षों के साथ विचार विमर्श तथा उनके द्वारा प्रगति विवरण एवं वित्तीय लेखा-जोखा प्रस्तुत करना।

3. कोरोना से मृत्यु पर सरकार द्वारा जारी योजना का लाभ दिलवाने बाबत चर्चा।

4. प्रदेश सभा भवन, विद्याधर नगर, जयपुर में सोलर पेनल एवं लिफ्ट लगवाने बाबत चर्चा,

5. जिलाध्यक्षों के चुनावों के सम्बन्ध में चर्चा।

6. महासभा की सदस्यता संख्या में वृद्धि पर विचार,

7. अन्य बिन्दु अध्यक्ष महोदय की अनुमति से।

महामंत्री श्री रमेशचन्द्र शर्मा ने मीटिंग के एजेण्डे प्रथम बिन्दु के अनुसार विगत तीन माह में प्रदेशसभा द्वारा किये गये निम्नलिखित कार्यो का प्रगति विवरण पढकर सुनायाः- प्रदेशसभा, राजस्थान ने दिनांक 17 मई, 2021 से 7 अगस्त, 2021 तक निम्नलिखित कार्य सम्पादित कियेः-

1. जयपुर जिले की ब्लॉक/तहसील/शाखा सभाओं के साथ दिनांक 30.05.2021 को वर्चुअल मीटिंग कर कोविड महामारी के बारे में पूर्ण जानकारी ली तथा यथासम्भव सहायता उपलब्ध करवाई गई।

2. दिनांक 20 जून 2021 श्री संजय हर्षवाल प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान, के नेतृत्व एवं श्री रविशंकर शर्मा, पूर्व प्रधान के मुख्य आतिथ्य तथा हेल्पिंग हेण्डस सेवा ही धर्म ग्रुप, पर्यावरण हित संस्थान एवं श्रीमती कमला देवी जांगिड फाउडेशन के संयुक्त तत्वाधान में पर्यावरण की सुरक्षा हेतु वृक्षारोपण के कार्यक्रम का शुभारम्भ मन्दिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर पर 5 पौधे लगाकर कुल 101 पौधों को रोपित किया

3. प्रथम रक्तदान शिविर दिनांक 24 जून, 2021 को प्रदेशाध्यक्ष श्री संजय शर्मा (हर्षवाल) के नेतृत्व में हेल्पिंग हैण्डस के संयुक्त तत्वाधान में प्रदेशसभा भवन, में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उनको रक्तदान प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया।

4. स्व.श्री नेमीचन्द जी जांगिड, प्रधान, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली, की पगडी रस्म के दिन श्री संजय शर्मा(हर्षवाल),प्रदेशाध्यक्ष, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, प्रदेश सभा, राजस्थान ने स्व.श्री नेमीचन्द जी की स्मृति में राजस्थान में 11000 पेड लगाने की घोषणा की थी। उसके अंतर्गत पेड लगाने का कार्य प्रगति पर है।

5. बेसमेंट हॉल के सौन्दर्यकरण का कार्य करवाया जा रहा है जिसमें 17 पंखे स्थापित किये गये हैं, 6 दीवार पंखे, डक्टिंग लगाकर दो एग्जॉस्ट फैन, आदि व पूरे हॉल का सौन्दर्यकरण जारी है।

6. भवन की छत पर 15 किलोवाट ऑनग्रिड सोलर पेनल स्थापित करने के सम्बन्ध में भी कोटेशन मंगवाये गये हैं। जिसके लिए पूरी राशि आने के बाद पूरा कर दिया जायेगा।

7. श्री श्रवणलाल जी जांगिड,जिलाध्यक्ष, जिलासभा, झुन्झुनू द्वारा कोविड महामारी ग्रस्त एक परिवार को एक लाख रूपये की सरकारी सहायता के प्रकरण को मंजूर कराने में सफलता हांसिल की है।

8. प्रदेश उपाध्यक्ष श्री बसंत कुमार शर्मा के प्रयासों से कोविड महामारी ग्रस्त परिवार की श्रीमती शीला शर्मा धर्मपत्नी स्व.श्री किशनलाल शर्मा को राज्य सरकार से एक लाख रूपये की सहायता एवं पैंशन करवाने हेतु कार्यवाही जारी है।

9. प्रदेश सभा भवन के लिए लिफ्ट स्थापित करने हेतु डिजाईन बनवाकर सम्बन्धित फर्मो से कोटेशन मंगवाये गये हैं जिसकी प्रक्रिया चल रही है।

10. प्रदेश सभा भवन में 250 लीटर का आर.ओ.सिस्टम स्थापित करने का कार्य प्रगति पर है।

11. प्रदेश सभा भवन में चारो तरफ 10 एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईट पोल लगाकर स्थापित की जा चुकी है एवं अन्य आवश्यक इलेक्ट्रिक का कार्य भी प्रगति पर है।

12. द्वितीय रक्तदान शिविर दिनांक 29 जुलाई, 2021 को प्रदेश सभा एवं हेल्पिंग हेण्ड सेवा ही धर्म ग्रुप के संयुक्त तत्वाधान में प्रदेश सभा भवन, मे आयोजित किया गया।

13. दिनांक 13 जुलाई, 2021 को कोविड वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें 307 समाज बन्धुओं का टीकाकरण करवाया गया।

14. प्रदेश सभा में कोरोना मृतक आश्रितों के जो आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे उनमें से पूर्ण सूचनाओं के साथ प्राप्त 21 आवेदनों को महासभा, दिल्ली को भिजवा दिया गया है एवं शेष पूर्ण होंने पर उन्हें भी महासभा, दिल्ली को भिजवा दिया जावेगा।

इसके उपरान्त महामंत्री ने मीटिंग में भाग ले रहे सभी महानुभावों से कार्यवाही विवरण एवं प्रगति विवरण का अनुमोदन करने का निवेदन किया जिसका सभी ने हाथ उठाकर अनुमोदन किया। इसके बाद महामंत्री ने जिलाअध्यक्षों से प्रगति रिपोर्ट व आय-व्यय विवरण प्रस्तुत करने का निवेदन किया। निम्नलिखित जिलाअध्यक्षों ने अपने-अपने जिलें की रिपोर्ट प्रस्तुत की:-

श्री मांगेराम सुथार जिलाध्यक्ष हनुमानगढ़, श्री बांकाराम जांगिड जिलाध्यक्ष बाड़मेर, श्री बंसीलाल जांगिड जिलाध्यक्ष अजमेर, श्री भगवान सहाय जांगिड जिलाध्यक्ष दौसा, श्री अशोक जांगिड जिलाध्यक्ष पाली, श्री गोविन्दराम पाटवा जिलाध्यक्ष जोधपुर, श्री घनश्याम पंवार जिलाध्यक्ष जयपुर, श्री श्रवण कुमार जांगिड जिलाध्यक्ष झुंझुनू, श्री राजेन्द्र कुमार जांगिड जिलाध्यक्षा सवाई माधोपुर, आदि तथा श्री कैलाश शर्मा पूर्व राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी, श्री बसंत कुमार गैपाल मुख्य चुनाव प्रभारी तथा श्री गोपाल लाल कारपेन्टर आदि ने भी अपने विचारों से अवगत करवाया।

अन्त में प्रदेशाध्यक्ष श्री संजय शर्मा(हर्षवाल) ने मीटिंग में जुडे सभी जिलाध्यक्षों, कार्यकारिणी पदाधिकारियों/सदस्यों द्वारा प्रस्तुत विचारों एवं सुझावों का स्वागत करते हुए उनको धन्यवाद दिया एवं कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि हमारी प्रदेश सभा प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने अवगत कराया कि हमारे समाज की एक वेबसाईट तैयार करवाई जा रही है जिसमें अन्य कार्य के साथ साथ जनगणना का कार्य भी तीव्र गति से हो सकेगा। जयपुर जिले के जिलाध्यक्ष के चुनाव के सम्बन्ध में यद्यपि विज्ञप्ति जारी कर दी गई थी परन्तु कोरोनो महामारी के मध्यनजर उसको आगामी आदेश तक स्थगित किया गया था। कोरोना की तीसरी लहर की संभावना के मध्यनजर श्री घनश्याम शर्मा (पंवार) को ही आगामी आदेश तक जिलाध्यक्ष का कार्य करते रहने के लिए, निर्देशित किया गया।

जनगणना के कार्य के लिए प्रदेशाध्यक्ष जी ने कहा कि समाज की वेबसाईट पर कार्य चल रहा है जिसमें अन्य के साथ साथ जनगणना का कार्य भी किया जा सकेगा। जिससे घर बैठे समाजबन्धु अपनी सूचना अपलोड कर सकेंगे।

अन्त में महामंत्री श्री रमेश चन्द्र शर्मा ने मीटिंग में भाग लेने वाले सभी महानुभावों एवं मीटिंग को सफल बनाने के लिए जिन महानुभावों ने प्रत्यक्ष अथवा परोक्षरूप से सहयोग दिया है उन सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने भगवान श्री विश्वकर्मा जी एवं महर्षि अंगिरा जी के नाम के जयघोष के साथ मीटिंग के समापन की घोषणा की । मीटिंग का संचालन महामंत्री श्री रमेश चन्द्र शर्मा ने किया।

रमेशचन्द शर्मा, महामंत्री, प्रदेशसभा राजस्थान

भूल सुधार- जुलाई 2021 की जांगिड ब्राह्मण पत्रिका में पृष्ठ सं. 3 पर छपा समाचार प्रधान जी के तीये की बैठक की तिथि 07.06.2021 छप गई जो 07.07.2021 पढ़ी जाए।

संपादक

समाज जनों की सेवा में सादर निवेदन –

महासभा प्रधान पद माननीय श्रीमान नेमीचंद जी के असामयिक निधन से दिनांक 5 जुलाई 2021 से रिक्त चल रहा है । महासभा प्रधान पद को लेकर कई तरह की अटकलें व बयान बाजी पिछले कई दिनों से सोशल मीडिया एवं व्हाट्सएप मीडिया पर वायरल हो रही है । कुछ स्वयंभू महानुभाव चुनाव कार्यक्रम जारी कर चुके हैं, जिन्हें ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं है। महासभा संविधान के अनुसार प्रधान पद रिक्त होने के 6 माह के भीतर निर्वाचन प्रक्रिया के द्वारा नया प्रधान निर्वाचित होना है ।

हमारे दिवंगत प्रधान जी द्वारा चुनाव के लिए चुनाव अधिकारी मंडल का गठन किया हुआ है, जिसका अस्तित्व नए प्रधान चुने जाने तक कायम रहता है ।

अतः मैं नंदलाल जांगिड खंडेला मुख्य चुनाव अधिकारी महासभा एवं मेरे साथ मनोनीत चुनाव अधिकारियों की टीम सहित समाज जनों की सेवा में निवेदन प्रस्तुत कर आश्वस्त करता हूं कि शीघ्र ही चुनाव बाबत व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करते हुए महासभा संविधान द्वारा प्रदत्त निर्देशों के अंतर्गत 6 माह की अवधि में पूर्ण पारदर्शी तरीके से महासभा प्रधान पद के निर्वाचन संपन्न करवा दिए जाएंगे । इस बाबत यथाशीघ्र चुनाव हेतु अधिसूचना जारी कर दी जाएगी।

मैं सभी समाज जनों से सामाजिक समरसता बनाए रखने की अपील करता हूं । आप सभी के साथ, सहकार की अपेक्षाओं के साथ ।

नंदलाल जांगिड खंडेला
मुख्य चुनाव अधिकारी
महासभा व समस्त चुनाव अधिकारी मंडल महासभा

श्रीमान राजेन्द्र जी झाला का अ.भा.जाँ.ब्रा. महासभा जिला सभा लातुर (महाराष्ट्र) के लिए दूसरी बार र्निविरोध निर्वाचन हुआ है। यह समाज बंधुओ के प्रति आपके विश्वास / प्रेम एवं भरोसे का प्रतीक है। आपके कार्यकाल एवं मार्ग दर्शन में जिला सभा लातुर ने समाज सेवा के क्षैत्र में विशेष उपलब्धिया हासिल की जो प्रंशसा योग्य है। आप अच्छे समाज सेवक / गौभक्त है । तथा अपनी उपलब्धियों का श्रेय भी वरिष्ठो को देने वाले उदारमना समाज सेवी है । हम सभी समाज बंधु आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है। **रूपकिशोर जांगिड ''कुचेरा''**

प्रवक्ता महासभा

दुबई में भी बनाया गया स्वतन्त्रता दिवस

दुबई 15 अगस्त – अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के अन्तर्राष्ट्रीय संयोजक श्री अमराराम जांगिड ने दुबई में बसे भारतीय लोगों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भारत के असंख्य लोगों ने देश को आजाद कराने के लिए महान कुर्बानी दी है। ऐसे जाने अनजाने वीर शहीदों को अपने भावभीनी श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत देश ने 75 वर्षो के इतिहास में अनेक क्षेत्रों में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं।

श्री अमराराम जांगिड ने कहा कि जांगिड समाज के लोगों ने देश में ही नहीं अपितु विदेशों में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने कहा स्वतंत्रता दिवस को यहां दुबई में भारतीय मूल के लोग बड़े ही उत्साह पूर्वक मनाते हैं। वे एक दूसरे को मुबारकबाद और बधाई देने के साथ साथ मिठाई भी खिलाते हैं। उन्होंने कहा कि वह पिछले 40 वर्षो से दुबई में रह रहे हैं और अब तो दोनों देशों के सम्बन्ध और अधिक प्रगाढ़ होने से यहां लोग आपसी प्रेम और आत्मीयता के साथ रह रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि आने वाले समय में भारत देश विकास का एक नया अध्याय शुरू करेगा। उन्होंने 15 अगस्त के पावन अवसर पर घोषणा की है कि जांगिड समाज का जो भी महानुभाव विदेश में मुसीबत में फंसा होगा, उसकी समस्या का समाधान करने का हर संभव प्रयास किया जायेगा। पहले भी यथासंभव सहयता प्रदान की गई है। इस अवसर पर जेठा राम, लाला राम, राधेश्याम, गणेश, पुखराज, सुरेन्द्र, जोगा राम, प्रदीप,दौलत, मनोहर, पेंपा राम देव सहित जांगिड एवं सुथार समाज के अनेक लोग उपस्थित थे ।

अमरा राम जांगिड,

अन्तर्राष्ट्रीय संयोजक, अ0 भा0 जां0 ब्रा0 महासभा

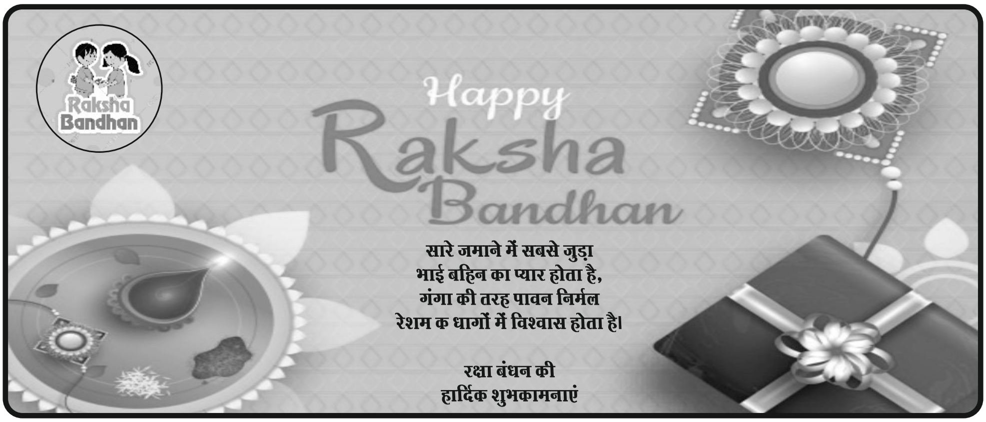

लौट चलो पुरानी जडों की ओर..

मैं तो चिल्ला-चिल्ला कर कहूंगा कि लौट चलो पुरानी जडों की ओर..अस्पताल खोलो -अस्पताल खोलो, चिल्लाने वालो। 100 अस्पताल न खुलवा कर मौहल्ले-मौहल्ले के बंद पड़े अखाड़े खुलवा दो , दंड बैठ्ठक पेलो, फेफड़ों में हवा भरना सीखो,बच्चों को मैदान में पुराने खेल खेलने दो फिर देखो कौन बीमार पड़ता है । पुराने जमाने में डाक्टर घर पर आता था। अब हम उसके क्लिनिक में लाईन लगाते गर्व समझते हैं ।

अखाड़े जाने में शर्म आती है, फेफड़े नहीं फुलाओगे तो अस्पताल ही तो जाओगे, मोटी रकम चुकाओगे हाथ में खुची सुई लेकर शान से बताओगे एवन हास्पिटल से आया हूं 25000 दिन का चार्ज था ।..अरे बेवकूफ ये क्यों नही समझता शमशानगृह का टोकन लेकर आया है। आज की स्थिति का सबसे बड़ा कारण है संयुक्त परिवार खत्म होना ....जहाँ खानपान संयमित व संतुलित होता था । घर के अचार मुरब्बे होते थे ।

अब शादी होते ही घर से अलग और सैर सपाटे चालू । खाना कौन बनाये तो होटल, पिज्जा, बर्गर, छोले भटूरे, डोसा , इडली, पैकेट बंद खाना शुरू । ये पेट तो भर सकते हैं जीभ को स्वाद दे सकते हैं पर शारीरिक ताकत नहीं दे सकते , और धीरे-धीरे बीमारी का घर खुद तैयार करते हैं । अब औलाद पैदा हुई तो चुम्मा ले लेकर सबसे अच्छे पैरेंट्स बनकर दिखाना चाहेंगे ,मुन्ना को कोई तकलीफ न हो पपोल-पपोल कर रखेंगे , अब दो साल में प्राइवेट स्कूल में नाम लिखवा देंगे क्योंकि पैसा है पावर है फीस भर देंगे , सरकारी स्कूल की ऐसी की तैसी, जबकि खुद सरकारी स्कूल में पढ़े थे । बच्चा मोम-डैड बोलेगा हम खुश होंगे, बच्चा अंग्रेजी पढ़ेगा तो रामायण, महाभारत, महाराणा प्रताप कौन थे कैसे जानेगा और बच्चा स्ट्रांग कैसे बनेगा। अरे याद करो वो गुल्ली-डंडा का खेल, हॉकी, ठिकडफोड, पकडमपकडाई, लुकाछिपाई, खो-खो जैसे न जाने कितने ही उछलकूद वाले खेल खेल कर हमारे बुजर्ग 90-100 साल तक जीते हैं जबकि आज कल के बच्चे 60 साल मुश्किल से निकालेंगे ।

अब घर में कूलर एसी चाहिए सारे खिड़की दरवाजे बंद अब शुद्ध वायु कहां से मिले ? कबूतरनुमा दड़बों जिसे फ्लैट कहते हैं उसमें चौथी पांचवीं मंजिल पर रहेंगे जहां न सूर्य का प्रकाश आयेगा न हवा, बंद बंद रहेंगे । अब आफिस से घर 10 किलोमीटर दूर तो घर पहुचने का टेंशन इसलिये बैंक से कर्ज लेकर कार खरीद ली छोटे मोटे काम के लिये मोटर साईकल ले ली । बस फ्लैट गाड़ी के कर्ज में बंध गये उसका टैंशन । शरीर को तंदुरुस्त के लिए पैसे देकर जिम जा कर बन्द कमरे में मशीनों पर तो कूदने में अपनी शान समझते हो हेल्थ टोनिक के नाम पर महंगी दवाई (केमिकल-जहर) खाते हो , लेकिन सुबह-सुबह घर के नजदीक होने पर भी पार्क में पैदल जा कर ताजी हवा के साथ घूमना और वर्जिश करना मंजूर नही ।थोड़ा सा कुछ भी होने पर हजारों रुपये की टेस्टिंग व दवाइयां खा लेंगे लेकिन दादी-नानी के बताए नुस्खे मंजूर नही । तो ऐसे में आदमी जी कहां रहा है... रोज-रोज मर ही तो रहा है **कृष्ण कुमार जांगिड़ पत्रकार पीपलू जिला टोंक राजस्थान**

मन की पवित्रता

एक राजा को अपने लिए सेवक की आवश्यकता थी। उसके मंत्री ने दो दिनों के बाद एक योग्य व्यक्ति को राजा के सामने पेश किया।

राजा ने उसे अपना सेवक बना तो लिया पर बाद में मंत्री से कहा, ''वैसे तो यह आदमी ठीक है पर इसका रंग-रूप अच्छा नहीं है।'' मंत्री को यह बात अजीब लगी पर वह चुप रहा।

एक बार गर्मी के मौसम में राजा ने उस सेवक को पानी लाने के लिए कहा। सेवक सोने के पात्र में पानी लेकर आया। राजा ने जब पानी पिया तो पानी पीने में थोड़ा गर्म लगा। राजा ने कुल्ला करके फेंक दिया। वह बोला, ''इतना गर्म पानी, वह भी गर्मी के इस मौसम में, तुम्हें इतनी भी समझ नहीं।'' मंत्री यह सब देख रहा था। मंत्री ने उस सेवक को मिट्टी के पात्र में पानी लाने को कहा। राजा ने यह पानी पीकर तृप्ति का अनुभव किया।

इस पर मंत्री ने कहा, ''महाराज, बाहर को नहीं, भीतर को देखें। सोने का पात्र सुंदर, मूल्यवान और अच्छा है, लेकिन शीतलता प्रदान करने का गुण इसमें नहीं है। मिट्टी का पात्र अत्यंत साधारण है लेकिन इसमें ठंडा बना देने की क्षमता है। कोरे रंग-रूप को न देखकर गुण को देखें।'' उस दिन से राजा का नजरिया बदल गया।

सम्मान, प्रतिष्ठा, यश, श्रद्धा पाने का अधिकार चरित्र को मिलता है, चेहरे को नहीं। चाणक्य ने कहा है कि मनुष्य गुणों से उत्तम बनता है न कि ऊंचे आसन पर बैठने से या पदवी से। जैसे ऊंचे महल के शिखर पर बैठ कर भी कौवा, कौवा ही रहता है ये गरुड़ नहीं बन जाता। उसी तरह अमिट सौंदर्य निखरता है मन की पवित्रता से, क्योंकि सौंदर्य रंग-रूप, नाक-नक्श, चाल-ढाल, रहन-सहन, सोच-शैली की प्रस्तुति मात्र नहीं होता। यह व्यक्ति के मन, विचार, चिंतन और कर्म का आइना है। कई लोग बाहर से सुंदर दिखते हैं मगर भीतर से बहुत कुरूप होते हैं। जबकि ऐसे भी लोग हैं जो बाहर से सुंदर नहीं होते मगर उनके भीतर भावों की पवित्रता इतनी ज्यादा होती है कि उनका व्यक्तित्व चुंबकीय बन जाता है। सुंदर होने और दिखने में बहुत बड़ा अंतर है।

शिक्षा
आपका चरित्र ही
आपका सबसे बड़ा गुण है।

कैलाश चन्द जांगिड
वरिष्ठ अध्यापक, जाखली (मकराना)

समाज सेवा की महिमा

सेवा भावना का शब्द जहन में आते ही हमारे सामने एक यक्ष प्रश्न आकर खड़ा हो जाता है कि वास्तविक समाज सेवा किसे कहते हैं। आधुनिक युग में सेवा का अर्थ भी बड़ा विस्तृत आयाम धारण कर चुका है। इसका अर्थ अपनी अपनी मूल धारणा और सोचने की क्षमता पर निर्भर करता है।

समाज सेवा के वास्तविक गुण केवल उसी व्यक्ति में प्रस्फुटित होते हैं, जो व्यक्ति परिस्थितियों से मुक्त हो। भूखे को रोटी देना, प्यासे को पानी देना और निर्वस्त्र को वस्त्र देना ही सेवा नही है, अपितु किसी के प्रति संवेदनशील होना और उसके कष्टों का निवारण करने का यथा संभव प्रयास करना और उसकी वेदना दूर करना भी एक प्रकार से समाज सेवा ही है। लेकिन आजकल विडम्बना यही है कि अधिकांश लोग निस्वार्थ सेवा भाव के नाम पर बदले में फल की इच्छा करने लगता है और यही मनस्कामना उसकी समाज सेवा के फल को तुच्छ बना देती है। भगवान श्री कृष्ण ने भी गीता में निष्काम कर्मयोग का संदेश देते हुए कहा है कि निस्वार्थ भाव से कर्म करते रहो, फल की चिंता मत करो। लेकिन मनुष्य है कि वह सेवा के रूप में प्रतिदान और अपनी प्रतिष्ठा चाहता है और यही लोभ की प्रवृत्ति उसे अन्त में कीचड़ में धकेल देती है।

परमात्मा ने हमारे को जो भी शक्ति, सम्पत्ति और योग्यता दी है , अगर उसका सदुपयोग मनुष्य समाज सेवा में नहीं करता है तो वह अंहकारी और प्रमादी हैं और अपने अहंम के पोषक के साथ-साथ भाग्यहीन भी है। जो सामर्थ्यवान होते हुए भी अंहभाव के वशीभूत होकर समाज के गरीब और दीन-हीन लोगों की उपेक्षा करता है, वह समय आने पर समाज को भूलकर एकाकीपन के शून्य में खो जाता है। यह इस जीवन का कठोर सत्य है कि जो अधिकारी कभी सत्ता के गलियारों में उच्च शिखर पर रहा हो, या वह व्यक्ति जो अपने आप को धनाढ्यों की श्रेणी में समझने की भूल कर बैठता है, वह अपने आप को नाहक ही समाज के सर्वेसर्वा होने का दम भरने लगता हैं, लेकिन जहां तक समाज के उत्थान और कल्याण तथा सेवा का प्रश्न है , ऐसे लोगों की भागीदारी लगभग नगण्य ही रही है।

मनुष्य की महानता इस बात का द्योतक है कि उसने समाज सेवा के बदले कोई मनस्कामना नहीं की अपितु अपनी अन्तर्आत्मा के आधार पर समाज के असहाय और असमर्थ लोगों की वेदना और पीड़ा को यथासंभव कम करने का स्तुत्य प्रयास किया है। सच्ची समाज सेवा का भाव मनुष्य के मन में उसी समय जागृत होगा, जिस समय उसे शरीर की नश्वरता का आभास हो जायेगा। मैं एक ऐसे वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी को जानता हूं, जो आज भी सेवानिवृत्ति के पश्चात भी हर रोज सरकारी अस्पताल में साईकिल पर मरीजों

की सेवा करने जाता है। यद्यपि उसके पास पैसे का अभाव नहीं है लेकिन उनका मानना है कि मुझे गरीबों की सेवा करने से मानसिक शांति और परमानन्द मिलता है और यही मानसिक शांति भगवान का प्रसाद है जो जीवन में भाग्यशाली व्यक्ति को ही प्राप्त होता है। अगर मनुष्य सेवा भाव के नाम पर अपने अंहकार और दूषित वासनाओं को पोषित करने का काम करता है तो अंत में यही संस्कार उसके पत्न का कारण अवश्य ही बनते हैं। समाज सेवा के बदले में प्रतिदान से अधिकार खत्म हो जाता है।

समाज सेवा में विभिन्न प्रकार की बाधाओं का भी सामना करना पड़ सकता है और अनेक प्रकार की अनर्गल बातों को भी सुनना पड़ता है। लेकिन लक्ष्य सार्थक और निस्वार्थ है तो दुश्मन भी उसकी प्रशंसा करेंगे। जहां तक संभव हो सके समाज सेवा के कार्य में विघ्न -बाधा डालने वाले महानुभावों का अपने सद्व्यवहार से दिल जीतने का प्रयास करें। जिस प्रकार से सर्वेश्वर भगवान के हृदय में सबके मंगल की कामना है, उसी भावना को आत्मसात करते हुए ही सब के प्रति सकारात्मक सोच रखते हुए अपने लक्ष्य की ओर उन्मुख रहो। इससे न केवल आत्मसंतुष्टि मिलेगी, अपितु आपका जीवन भी सार्थक होगा ।

मैं जांगिड ब्राह्मण समाज के उन महान पुरोधाओं को नमन करता हूं, जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन समाज सेवा में समर्पित कर दिया। उनमें पंडित गोरधन दास शर्मा, डॉ. इन्द्रमणि शर्मा, पंडित डालचंद शर्मा और गुरु देव जयकिशन मणिठीया शामिल हैं। इसके साथ ही मैं रोहतक के पं आनन्द स्वरूप भारद्वाज को कभी भी नहीं भूल सकता हूं, जिन्होंने अपने बच्चों का भविष्य बनाने की अपेक्षा अपना जीवन समाज सेवा में समर्पित कर दिया। वह सबसे लंबे समय तक जांगिड ब्राह्मण पत्रिका के संपादक रहे और उन्होंने समाज की एक परिचायका का प्रकाशन करने का भी एक स्तुत्य काम भी किया था, जो हमारे समाज को एक दूसरे को जोड़ने में अमूल्य धरोहर सिद्ध हुई है ।

मैं सेवा, सदाशयता और उदारता भावों से परिपूर्ण अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय प्रधान श्री नेमीचंद जी इस कड़ी को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। इस समाज रूपी कड़ी को जोड़ने के लिए , महासभा के साथ समाज की अन्तिम पंक्ति में खड़े गरीब से गरीब व्यक्ति को भी जोड़ना होगा ताकि वह भी समाज के गौरवशाली इतिहास में अपनी आहुति डाल सकें । एक दूसरे के सम्पर्क में आने से जहां समाज के अस्तित्व की पहचान हो सकेगी वहीं गरीबी का दंश झेल रहे समाज के भाइयों में एक नई चेतना का विकास भी संभव हो सकेगा। इस प्रयोजन को सफल बनाने के लिए अलग से एक कोष की स्थापना करके आवश्यकता अनुसार गरीबों को सहायता उपलब्ध कराई जा सकती है। इसी लिए कहा गया है कि समाज सेवा परमोधर्मास्ति ।

राम भगत शर्मा

प्रादेशिक सभा हरियाणा की त्रैमासिक मीटिंग का आयोजन

हरियाणा प्रदेश की त्रैमासिक बैठक का आयोजन दिनांक 08 अगस्त 2021, रविवार को श्री विश्वकर्मा मंदिर नारनौल, जिला महेन्द्रगढ़, में प्रदेशअध्यक्ष डॉ शेर सिंह जांगिड की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें प्रदेश के 15 जिला अध्यक्षों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित करके समाज उत्थान के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव दिए गए। इस बैठक का शुभारंभ श्री सत्य प्रकाश आर्य के द्वारा शांति पाठ करके किया गया और कार्यक्रम का कुशल संचालन श्री वीरेन्द्र सिंह जांगिड कैमला द्वारा किया गया।

इस बैठक के प्रारंभ में प्रदेशसभा के महामंत्री एडवोकेट राजपाल ने त्रैमासिक मीटिंग का एजेंडा सभी के सामने रखा, जिसमें जिला अध्यक्षों का परिचय एवं सम्मान, उनके कार्यकाल की प्रगति रिपोर्ट, जिलों के सन्दर्भ में सामाजिक एवं संगठनात्मक जनगणना सम्बन्धित प्रगति रिपोर्ट इसके अतिरिक्त कोराना काल के दौरान उत्कृष्ट कार्य व समाज हित में सफल, सार्थक प्रयास करने वाले व्यक्तियों की सूचि भी मांगी गई ताकि उनकों अगली मीटिंग में सम्मानित किया जा सकें। डॉक्टर शेर सिंह जांगिड ने अपने संबोधन में सभी जिला अध्यक्षों और समस्त कार्यकारिणी सदस्यों और कोविड योद्धाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

शिक्षा के सर्वोच्च महत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में अपने बच्चों को गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा प्रदान करने से ही समाज में व्यापक परिवर्तन आ सकता है और जागृति के साथ-साथ समृद्ध समाज की परिकल्पना भी की जा सकती है । उन्होंने कहा कि आज जिस के पास कौशल और दक्षता है उनके लिए स्वरोजगार के प्रर्याप्त अवसर है और इसका लाभ उठाने के लिए सरकार द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं का भरपूर लाभ उठाया जाना चाहिए।

समाज की एकता, संगठन तथा अपना बहुमूल्य सहयोग देने की अपील की। उन्होंने महिला शिक्षा एवं सशक्तिकरण के साथ-साथ बालिका शिक्षा पर विशेष बल दिया और कहा कि एक बालिका के शिक्षित होने से दो घरों में शिक्षा का प्रकाश फैलता है।

इस बैठक में प्रदेशअध्यक्ष ने प्रस्ताव रखा कि कोविड-19 के चलते प्रदेश के दो जिले पलवल और मेवात के चुनाव नहीं हो पाए उस चुनाव प्रक्रिया को जल्दी से जल्दी करवाया जाए । उपस्थित सभी सदस्यों ने एकमत से समर्थन किया।

इसके उपरांत डॉ शेर सिंह जांगिड ने जिला प्रधान रोहतास नम्बरदार, वरिष्ठ उपप्रधान सतबीर जांगिड कैमला, महामंत्री देवेन्द्र कुमार जांगिड, कोषाध्यक्ष फूलसिंह जांगिड, अकाउंटेंट योगेश कुमार जांगिड, जिला युवा अध्यक्ष वीरेंद्र उर्फ प्रवीण, जिला महिला विंग की प्रधान सुनीता जांगिड सहित कार्यकारिणी के सदस्यों और ब्लाक प्रधानों को भी शपथ दिलवाई गई तथा समाज के प्रति निष्ठापूर्वक अपने कर्तव्य का निर्वहन करने का आग्रह किया गया।

प्रदेशाध्यक्ष ने सभी जिला अध्यक्षों से निवेदन किया कि वे अपनी शपथ ग्रहण समारोह जिला स्तर पर जल्दी से जल्दी सम्पन्न करवायें ताकि सभी शाखाओं ,ब्लॉक अध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया को भी संविधान के नियम अनुसार पूर्ण करके इसकी रिपोर्ट तीन माह के भीतर प्रदेश अध्यक्ष कार्यालय में भेजे। इसके साथ ही सभी शाखा और ब्लॉक सभाओं को पंजीकृत या रजिस्टर्ड करवाने की अनुकम्पा करें ताकि इसकी महासभा को रिपोर्ट तत्काल भेजी जा सके। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अपने चिर–परिचितों को खोया है उनको महासभा द्वारा निर्धारित किए आर्थिक मापदंडों के अनुसार राशि प्रदान की जायेगी। इसके लिए वे अपने सभी कागज और दस्तावेज पूर्ण कर अविलंब जिला अध्यक्ष के माध्यम से प्रदेश अध्यक्ष डॉ शेर सिंह को भेजें ताकि उन सभी को आवश्यक सहायता उपलब्ध करवाई जा सके। इसके साथ ही महासभा द्वारा संचालित कोविड –19 रिलीफ एवं सहायता फंड अकाउंट में भी समाज बंधुओं द्वारा ज्यादा से ज्यादा आर्थिक सहयोग दें तथा इसी प्रकार महासभा के मुंडका में बन रहे विशाल एवं भव्य भवन के निर्माण के लिए भी हरियाणा के सभी दानदाताओं से सहयोग देकर हरियाणा का नाम गौरवान्वित करें। सिरसा जिलाअध्यक्ष पृथ्वी राज जांगिड के आगामी त्रैमासिक बैठक सिरसा में आयोजित करने के प्रस्ताव को सभी ने एकमत से स्वीकार कर लिया। बैठक में नगर परिषद नारनौल के वाइस चेयरमैन श्री मनोज कुमार जांगिड ने भी समाज के संगठन समृद्धि और जागरूकता के लिए किए जाने वाले सभी प्रकार के प्रयासों को कारगर बताया कि हम अनेकों माध्यम से समाज को एकजुट कर सकते हैं हमारा समाज सभी समाज से श्रेष्ठ है और हमें अपनी प्रतिभा को पहचान कर राजनीतिक क्षेत्र में अपनी भागीदारी को सुनिश्चित करना चाहिए। आज समाज सेवा के लिए राजनीतिक सहभागिता अति आवश्यक है।

इस बैठक में हरियाणा सरकार में मंत्री श्री ओमप्रकाश यादव के जांगिड समाज की प्रगति और समृद्धि के लिए दिए गए अनुदान राशि के लिए भी उनके योगदान की सराहना की गई तथा उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। सभी विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिह्न और शाल देकर सम्मानित किया गया। इस बैठक में समाज के भामाशाह और अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष नेमीचंद शर्मा और नारनौल नगर परिषद के वाइस चेयरमैन श्री मनोज कुमार जांगिड के होनहार एवं बहुमुखी प्रतिभा के धनी दीपांशु जांगिड को उनके आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सभा के कोषाध्यक्ष नितिन कुमार सोनीपत जिला अध्यक्ष, जगदीश जांगिड सहित 15 जिला अध्यक्ष, जगदीश प्रसाद गौतम, राजेश कुमार उर्फ राजू, पंचम सिंह पूर्व प्रधान, मोतीलाल थानेदार संगठन मंत्री, प्रदीप कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

एडवोकेट राजपाल, महामंत्री, प्रदेशसभा हरियाणा

प्रदेशसभा छत्तीसगढ़ व जिलासभा रायपुर की बैठक सम्पन्न

दिनांक 15 अगस्त 2021 को प्रदेशसभा छतीसगढ़ की मीटिंग प्रदेशाध्यक्ष श्री बजरंग लाल जी शर्मा की अध्यक्षता में श्री विश्वकर्मा मंदिर प्रांगण रायपुर, में आयोजित की गई। बैठक में श्री मदन जी शर्मा, श्री गोपाल जी शर्मा, श्री अनिल जी जांगिड, श्री रिछपाल जी शर्मा, श्री सोहन जी शर्मा, श्री सतीश जी शर्मा व अन्य महानुभावों की उपस्थिति रहे। प्रदेशाध्यक्ष श्री बजरंग लाल जी शर्मा ने कोरोना महामारी में इस संसार से विदा होने वाले समाज बन्धुओं को श्रद्धाजंलि अर्पित की । निम्न महानुभावों को भावभीनी श्रद्धाजंलि अर्पित की गई जिसमें :-1. श्री नेमीचन्द जी, राष्ट्रीय प्रधान महासभा,

2. श्री सूरजमल जी बरनेला, पूर्व अ0 छ0गढ़, 3. श्री शंकर लाल जी जांगिड, रायपुर

4. श्री ओमप्रकाश जी बिलासपुर, 5. श्रीमति रीता शर्मा धर्मपत्नी श्री रमेश जी,

6. श्रीमति रीतू शर्मा पुत्रवधु ओमप्रकाश जी

तत्पश्चात महासभा से सम्बंधित मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। रायपुर जिलासभा के चुनाव व आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया और यह निर्णय लिया गया कि अतिशीघ्र जिला शाखासभा का गठन किया जाएगा। मीटिंग में यह भी निर्णय लिया गया कि

1. सभी जिला शाखाओं का रजिस्ट्रेशन का कार्य अतिशीघ्र करवाया जाए।

2. जनसंख्या गणना के कार्य का गति देने का भी निर्णय लिया गया। वर्षो से लम्बित रायपुर जिलासभा के चुनाव के लिए पूर्व प्रदेशअध्यक्ष एवं सरंक्षक महासभा श्री मदन जी शर्मा को चुनाव प्रक्रिया के लिए अधिकृत किया गया। जिसका सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया । उपस्थित सभी महानुभावों का आभार प्रकट कर इस बात पर जोर दिया कि रायपुर जिलासभा का विगत कई वर्षो से लम्बित चुनाव अतिशीघ्र सम्पन्न कराकर पिछला आय-व्यय का ब्यौरा नवीन कार्यकारिणी को अतिशीघ्र सौपने का अनुरोध किया।

बैठक में निम्न सदस्यों की उपस्थिति सराहनीय रही:-

1. मनोज शर्मा(लदोया), 2. अरविन्द शर्मा पंवार, 3. संजीव शर्मा, 4. रामेश्वर जांगिड, 5. भीमाराम जांगिड, 6. अशोक जांगिड, 7. महाबीर, 8. बजरंग जी टाटीबंध, 9. रवि शर्मा. 10. सतीश कुमार शर्मा धमतरी, 11. जवाहर लाल शर्मा, 12. विजय शर्मा, 13. सीताराम शर्मा. 14. सोहन शर्मा, 15. गोपाल शर्मा रायपुर, 16. बजरंग शर्मा बरनेला, 17. बजरंग सुथार (भिलाई), 18. अनिल कुमार जांगिड (भिलाई), 19. नन्दलाल बरनेला रायपुर, 20. मनोहर लाल जांगिड, 21. बनवारी लाल जांगिड, 22. ओमप्रकाश जांगिड, 23. गोविन्द नारायण जांगिड. 24. मांगीलाल जांगिड, 25. रिछपाल शर्मा, तथा मदन लाल रायपुर आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।

बजरंग लाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष छतीसगढ़

चुनाव अधिसूचना

जिन जिलों के जिलाध्यक्ष पद का कार्यकाल पूर्ण हो रहा है तथा जिन जिलों में पहली बार जिला अध्यक्ष का चुनाव होना है इन सभी जिलों में अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के संविधान अनुसार जिला अध्यक्ष का चुनाव करवाया जाना अपेक्षित है। निम्नलिखित सभी जिलों के जिला अध्यक्ष पद के लिए चुनाव की अधिसूचना जारी की जाती है जिसका चुनाव कार्यक्रम निम्न प्रकार होगा।

क्रम स.	जिले का नाम	अधिसूचना जारी करने की तारीख	सदस्यता अभियान की अंतिम तारीख	नामांकन प्रक्रिया की तारीख	चुनाव की तारीख
1.	नांदेड (कार्यकाल पूर्ण होने की तारीख 04 अगस्त 2021)	31 जुलाई 2021	29 अगस्त 2021	12 सितम्बर 2021	03 ओक्टोबर 2021
2.	बुलढाणा (कार्यकाल पूर्ण होने की तारीख 04 अगस्त 2021)	31 जुलाई 2021	29 अगस्त 2021	12 सितम्बर 2021	03 ओक्टोबर 2021
3.	जालना (कार्यकाल पूर्ण होने की तारीख 04 अगस्त 2021)	31 जुलाई 2021	29 अगस्त 2021	12 सितम्बर 2021	03 ओक्टोबर 2021
4.	अमरावती (कार्यकाल पूर्ण होने की तारीख 04 अगस्त 2021)	31 जुलाई 2021	29 अगस्त 2021	12 सितम्बर 2021	03 ओक्टोबर 2021
5.	बीड (कार्यकाल पूर्ण होने की तारीख 04 अगस्त 2021)	31 जुलाई 2021	29 अगस्त 2021	12 सितम्बर 2021	03 ओक्टोबर 2021
6.	नाशिक (कार्यकाल पूर्ण होने की तारीख 04 अगस्त 2021)	31 जुलाई 2021	29 अगस्त 2021	12 सितम्बर 2021	03 ओक्टोबर 2021
7.	जलगांव (कार्यकाल पूर्ण होने की तारीख 04 अगस्त 2021)	31 जुलाई 2021	29 अगस्त 2021	12 सितम्बर 2021	03 ओक्टोबर 2021
8.	लातूर (कार्यकाल पूर्ण होने की तारीख 04 अगस्त 2021)	31 जुलाई 2021	29 अगस्त 2021	12 सितम्बर 2021	03 ओक्टोबर 2021
9.	चंद्रपूर (कार्यकाल पूर्ण होने की तारीख 04 अगस्त 2021)	31 जुलाई 2021	29 अगस्त 2021	12 सितम्बर 2021	03 ओक्टोबर 2021

निरन्तर पृष्ठ...

चुनाव अधिसूचना

10.	सोलापूर (त्यागपत्र)	31 जुलाई 2021	29 अगस्त 2021	12 सितम्बर 2021	03 ओक्टोबर 2021
11.	उस्मानाबाद (पहलीबार चुनाव)	31 जुलाई 2021	29 अगस्त 2021	12 सितम्बर 2021	03 ओक्टोबर 2021
12.	कोल्हापूर (पहलीबार चुनाव)	31 जुलाई 2021	29 अगस्त 2021	12 सितम्बर 2021	03 ओक्टोबर 2021
13.	सांगली (पहलीबार चुनाव)	31 जुलाई 2021	29 अगस्त 2021	12 सितम्बर 2021	03 ओक्टोबर 2021
14.	हिंगोली (पहलीबार चुनाव)	31 जुलाई 2021	29 अगस्त 2021	12 सितम्बर 2021	03 ओक्टोबर 2021

नामांकन स्थल – श्री विश्वकर्मा जांगिड समाज ट्रस्ट मंदिर, नक्षत्रवाडी, औरंगाबाद

नामांकन आवेदन – निर्धारित तिथि को प्राप्त 11:00 से 2:00 बजे तक

नामांकन पत्र जाँच – निर्धारित तिथि को दोपहर 2:00 से 3:00 बजे तक

नामांकन वापसी – निर्धारित तिथि को शाम 3:00 से 4.00 बजे तक

प्रत्याशियों की घोषणा– निर्धारित तिथि को शाम 4:15 बजे

मतदान – निर्धारित तिथि को सुबह 9:00 से शाम 5:00 बजे तक

मतगणना एवं चुनाव परिणाम मतदान स्थल पर मतदान के पश्चात

नोट:– 1. मतदान केंद्र का निर्धारण नामांकन प्रक्रिया के बाद आवश्यकतानुसार निर्धारण किया जायगा ।

2. निर्विरोध निर्वाचित होने वाले जिलाध्यक्षों को उसी दिन शपथ दिलाई जाएगी ।

चुनाव अधिकारी
पुरुषोत्तम लाल जांगिड

महामंत्री
मदनलाल जांगिड

गुजरात प्रदेशसभा द्वारा प्रदेश के
कच्छ एवं भरुच जिलों के जिलाध्यक्ष चुनाव निर्विरोध सम्पन्न'

जिला कच्छः–प्रदेशसभा गुजरात द्वारा दिंनांक 14 जून 21 को जारी चुनाव अधिसूचना के अनुसार आज 25 जुलाई 2021 को प्रातः 11 बजे कच्छ जिले के महासभा सदस्यों की उपस्थिति में चुनाव प्रभारी श्री गुरुदत शर्मा के मार्गदर्शन में जिलाध्यक्ष हेतू नामांकन की प्रक्रिया नियुक्त चुनाव अधिकारी श्री राजेश कुलरिया ने कार्यवाही सम्पन्न करवाई।

प्रदेशसभा कार्यकारिणी में वर्तमान उपाध्यक्ष श्री विजयराज जांगिड (अंजार) ने नए जिलाध्यक्ष हेतु नामांकन प्रस्तुत किया, अन्य कोई नामांकन नहीं आने से श्री विजयराज जांगिड को सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष घोषित किया गया।

इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल जांगिड, पूर्व जिलाध्यक्ष श्री खीमचंद जांगिड, श्री कानाराम जांगिड, श्री नारायण एम. लुंजा, श्री हरीराम शर्मा, श्री अशोक कुमार शर्मा, श्री भंवरलाल बूढड, श्री थानाराम सुथार आदि समाजबंधु उपस्थित रहे।

चुनाव अधिकारी ने नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई व उपस्थित सभी ने श्री विजयराज जांगिड को शुभकामनाएँ ने दी।

जिला भरुचः–प्रदेशसभा गुजरात द्वारा दिंनांक 14 जून 21 को जारी चुनाव अधिसूचना के अनुसार 25 जुलाई 2021 को प्रातः 11 बजे भरुच जिले के महासभा सदस्यों की उपस्थिति में जिलाध्यक्ष हेतु नामांकन की प्रक्रिया नियुक्त चुनाव अधिकारी श्री उमाकांत शर्मा ने कार्यवाही शुरू करवाई। उपस्थित सदस्यों में चर्चा के अंत में आम सहमति बनाने के लिए 01.00 बजे के समय को 02.30 बजे दोपहर तक बढाने का प्रस्ताव रखा जिसे गुजरात प्रदेश प्रमुख की अनुमति से बढाया गया। जिला चुनाव प्रभारी श्री दौला राम जी सुथार की अध्यक्षता में आम सहमति से वर्तमान जिला अध्यक्ष श्री दौला रामजी को ही फिर से जिला अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव अनुमोदित कर श्री दौला राम जी ने नए जिलाध्यक्ष हेतु नामांकन प्रस्तुत किया, अन्य कोई नामांकन नहीं आने से श्री दौला राम जी को सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष घोषित किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश चुनाव अधिकारी उमाकांत शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष श्री दौला रामजी, श्री महेन्द्र जांगिड, सुरेश जांगिड, श्री सुनील जांगिड, श्री ओम प्रकाश जी जांगिड, श्री शिवदयाल जी शर्मा, श्री जांगडा जी आदि समाजबंधु उपस्थित रहे।

चुनाव अधिकारी ने नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई व उपस्थित सभी ने श्री दौला राम जी को शुभकामनाएँ दी।

उमाकांत शर्मा (बड़ौदा) चुनाव अधिकारी प्रदेशसभा गुजरात

समाज अच्छे संस्कार अपनायें

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, अत: समाज से पृथक रहकर वह अपनी आवयश्कताओं व हितों की पूर्ति नही कर सकता। समाज एक व्यवस्था है इसकी एक संरचना होती है। समाज के अपने संस्कार बदलते समय, परिस्थितियों व आवश्यकताओं के कारण समाज की मान्यताओं में परिवर्तन होता रहता है, क्योंकि जीवन ही परिवर्तनशील है।

लेकिन हमारे समाज में अभी भी दहेज प्रथा, मृत्यभोज, नशीले पदार्थो का सेवन, जातीय संकीर्णता, कुप्रथाएं, कुरीतियां एवं कुसंगितियों ने अपनी जड़े जमा रखी है। अत: हमें इन सभी कुरीतियों एवं कुप्रथाओं से छुटकारा पा कर हमें आधुनिक समय की मांग व सकारात्मक संस्कार जैसे-शिक्षा-साक्षरता, महिला-सशक्तिकरण, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, लोकतांत्रिक एवं जनकल्याणिक भागीदारी, एकता व समानता परिवार नियोजन, वृद्धजनों की देखभाल और कहना मानना व अपनाना आदि को हमें प्राथमिक महत्त्व देना चाहिए न कि उनकों अवैज्ञानिक, अंधविश्वासी, प्रथाओं को जो हमारे समाज को विध्वंस कर रही है। उनसे दूर रहना चाहिए।

नि:संदेह इन कुरीतियों की जड़े काफी गहरी होती है। लेकिन इनको खत्म करने के लिये हमें अच्छे उदाहरण समाज को देने होंगे। जैसे- मैं मृत्युभोज नहीं करूंगा या उसमें हिस्सा नहीं लूंगा, मै दहेज नहीं दूंगा ना लूंगा, मैं नशा नहीं करूंगा। बस जरूरत है तो इस 'मैं' को समझाने की और मैं से हम और हम से समाज सुधरेगा, तब ही समाज आगे बढ़ेगा व शिक्षित बनेगा।

एस.एस.जांगिड

कुम्हारों की बेरी, धोरीमन्ना, बाड़मेर, मो..7877966507

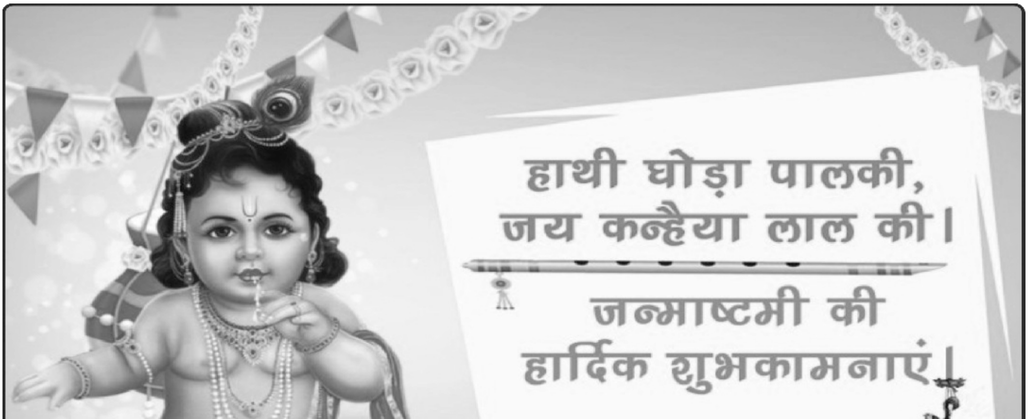

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री रामपाल शर्मा जी, (बैंगलोर)
11 लाख + 1.25 करोड
एक मंजिल निर्माण मे परिवार का सहयोग

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला जी,(इन्दौर)
पूर्व प्रधान महासभा
86,00,000/-

श्रीमती कृष्णा देवी शर्मा जी
(पत्नी श्री रामपाल शर्मा जी)
बेंगलुरू 35,00,000/-

श्री भंवर लाल जी कुलरिया
मुम्बई,
31,00,0000/-

श्री एकलिंग जांगिड़ जी,
सूरत महासभा भवन में लगने वाले सम्पूर्ण ग्रेनाइट आपकी ओर से देने की घोषणा की।

श्री मीता राम जांगिड जी,
मै.सुमित वुड वर्क्स लि.(मुम्बई)
21,00,000/-

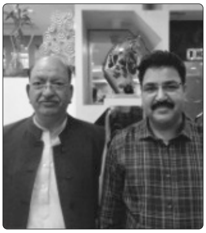

प्रमुख स्तंभ समाजसेवी
श्री रमेशचन्द शर्मा सरपंच जी एवं
श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा जी, दिल्ली
11,51000/-

श्री रविशंकर शर्मा जी,
(जयपुर), पूर्व प्रधान
महासभा 11,00,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड जी
(सीकर, राजस्थान),
11,00,000/-

श्री लक्ष्मण जी जांगिड
(मुम्बई)
11,00,000/-

श्री लीलूराम शर्मा जी
चेयरमैन, जां.ब्रा.शिरोमणी सभा, दिल्ली
11,00,000/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड जी
(मुम्बई)
11,00,000/-

श्री नवीन जी
(जयपुर)
11,00,000/-

श्री दीपक शर्मा जी
(सुपुत्र श्री रामपाल शर्मा जी)
बेंगलुरू 10,21,000/-

श्री अमित शर्मा जी
(सुपुत्र श्री रामपाल शर्मा जी)
बेंगलुरू 10,21,000/-

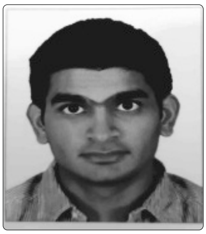

श्री जगमोहन शर्मा जी
(सुपुत्र श्री रामपाल शर्मा जी)
बेंगलुरू 10,21,000/-

श्री अमरा राम जांगिड जी
दुबई, अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष
महासभा, 5,51,000/-

श्री भंवरलाल गुगरिया जी
(बेंगलुरू)
5,51,000/-

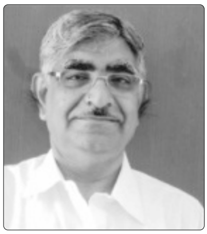

श्री गिरधारी लाल जांगिड जी (बेंगलुरू)
501,000/-

श्री राजेन्द्र शर्मा जी
(मै.राज.कोचबिल्डर्स,धार)
5,00,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री पूनाराम जांगिड जी, (जोधपुर)
5,00,000/-

श्री सीताराम शर्मा जी, (बैंगलोर)
5,00,000/-

श्री श्रीगोपाल चोयल जी एवं श्री आर.एस.चोयल जी श्री महादेव चोयल (जांगिड) चेरिटेबल ट्रस्ट, अजमेर
5,00000/-

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स जी (पूर्व कोषाध्यक्ष, महासभा) एवं श्री दिनेश कुमार वत्स जी, (दिल्ली)
5,00000/-

श्री कांति प्रसाद जांगिड जी (टाईगर) (दिल्ली)
5,00,000/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा (वाराणसी)
5,00,000/-

श्री सुनील कुमार शर्मा जी, (चित्तौडगढ)
5,00,000/-

प्रदेशसभा राजस्थान
5,00,000/-

जांगिड वेलफेयर सोसाइटी, यमुना विहार दिल्ली
5,00,000/-

श्री सोमदत्त शर्मा जी नांगलोई कोषाध्यक्ष महासभा, दिल्ली
2,52,151/-

श्री सीताराम शर्मा जी (पूर्व जिला प्रमुख, करौली), दिल्ली 2,51,151/-

श्री महेन्द्र कुमार जांगिड जी, (धारूहेड़ा)
2,51,000/-

श्री रामअवतार जांगिड जी, (जयपुर)
2,51,000/-

श्री बनवारी लाल शर्मा जी (सीकर)
2,51,000/-

श्री सुभाष जी (बोरवेल वाले) (जयपुर)
2,51,000/-

श्री महेन्द्र शर्मा जी, (मुम्बई),
2,51,000/-

श्री मनीलाल जांगिड जी (मुम्बई),
2,51,000/-

श्री सतीश शर्मा जी (नदबई),
2,51,000/-

श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली (प्रधान शिरोमणी सभा)
2,51,000/-

सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री प्रकाश शर्मा, दिल्ली
2,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री बाबूलाल शर्मा जी (बेंगलुरू) 2,51,000/-

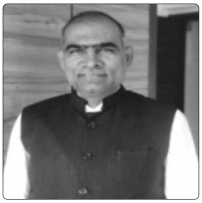

श्री इंदरचंद चांदराम जांगिड जी, मुम्बई 2,51,000/-

श्री रवि जांगिड जी (बेंगलुरू) 2,51,000/-

श्री नरेश चन्द्र शर्मा जी (बेंगलुरू) 2,51,000/-

श्री अशोक जांगड (नजफगढ़, दिल्ली) 2,51,000/-

श्री किशनलाल शर्मा जी, (रोहिणी, दिल्ली) 2,51,000/-

श्री शंकर लाल धनेरवा जी, (जयपुर) 2,51,000/-

श्री सुभाषचंद्र जांगिड जी (भाईंदर(ईस्ट),ठाणे,महाराष्ट्र) 2,51,000/-

श्री रामकरण शर्मा जी (फरीदाबाद) 2,51,000/-

श्री प्रहलादराय जांगिड जी (नांदेड) 2,50,000/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा जी देवास, (मध्य प्रदेश) 2,50,000/-

श्री सुरेन्द्र शर्मा जी, (अहमदाबाद) 2,50,000/-

श्री संजय शर्मा जी, (जयपुर) 2,00,000/-

जिलासभा बाड़मेर(राजस्थान) 2,00,000/-

श्री योगिन्द्र शर्मा जी आई पी एक्सटेंशन-अध्यक्ष पूर्वी दिल्ली जिलासभा 1,53,000/-

श्री देवी सिंह जी ठेकेदार -करावल नगर-उपाध्यक्ष अ.भा.जा.ब्रा.महासभा 1,51,111/-

श्री जवाहरलाल जांगिड जी, उज्जैन (मध्य प्रदेश) 1,51,000/-

श्री राम पाल शर्मा जी यमुना विहार-उपाध्यक्ष पूर्वी दिल्ली जिलासभा 1,51,000/-

श्री जीवनराम जांगिड जी (नागपुर) 1,51,000/-

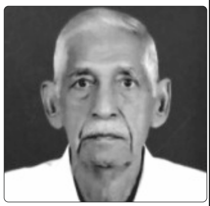

श्री श्रीकृष्ण जांगडा जी,रानी खेड़ा, दिल्ली 1,51,000/-

(महासभा भवन में एक कमरे के लिए योगदान)

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री हरिराम जांगिड जी थाने, मुम्बई
1,51,000/-

श्री जयसिंह जांगडा जी (रिटायर्ड जज)गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री विजय प्रकाश शर्मा जी (द्वारका, दिल्ली)
1,51,000/-

स्व.चांद कौर धर्मपत्नी स्व.श्री नाहनाराम जांगडा जी की स्मृति में एक कमरे के लिए 1,51,000/- का योगदान डॉ.शेरसिंह जांगडा प्र.अ.हरियाणा एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ.शील जांगडा द्वारा प्रदान किया गया

श्री बाबू लाल शर्मा जी, (इन्दौर, मध्य प्रदेश)
1,51,000/-

श्री किरताराम छड़िया जी बेंगलूरू
1,51,000/-

श्री वीरेन्द्र शर्मा जी (शामली)
1,51,000/-

श्री ओमप्रकाश शर्मा जी (जीओजी मार्बल जयपुर)
1,51,000/-

श्रीमती उर्मीला जांगिड पत्नी श्री लक्ष्मीनारायण जी गुरूग्राम 1,51,000/-

कैप्टन श्री हेमराज जी कोटपूतली
1,51,000/-

श्रीमती ब्रह्मो देवी धर्मपत्नी श्री नाथूराम जी शर्मा, दिल्ली 1,51,000/-

श्री कृष्ण कुमार शर्मा जी द्वारका, दिल्ली
1,51,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा जी पैरामाउंट इंजीनियर्स,गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री मोहन लाल जांगिड जी प्रदेश अध्यक्ष(गुजरात)
1,51,000/-

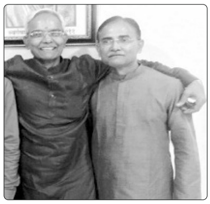

श्री चंद्राप्रकाश जी गुरूदत्त शर्मा जी (गांधीधाम) 1,51,000/-

श्री अनिल एस.जांगिड जी (महामंत्री महासभा)ग्रुरूग्राम
1,51,000/-

श्री हरीराम जांगडा जी ग्राम कासन
1,51,000/-

श्री राजेन्द्र जांगिड जी पटेल नगर, गुड़गांव
1,51,000/-

श्री कृष्ण अवतार जांगिड जी ग्राम कासन
1,51,000/-

श्री पन्ना लाल जांगिड जी ग्राम कासन
1,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

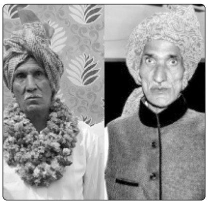

मास्टर जगदीश चंद्र जागिड,
श्री ज्ञानचंद जांगिड, ग्राम-कासन
1,51,000/-

श्री हरीश जी
नरेश जी दम्मीवाल
(जोधपुर) 1,51,000/-

श्री उमाकांत जी
धानेरा
1,51,000/-

श्री किशोर कुमार जांगडा जी
बहादुरगढ
1,51,000/-

श्री वेद प्रकाश आर्य
सवाई माधोपुर
1,51,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा
फूतली वाले, सागरपुर,दिल्ली
1,51,000/-

श्रीमती दयावंती धर्मपत्नी
श्री रामकिशन शर्मा,(डीसीपी)
द्वारका,दिल्ली 1,51,000/-

जिलासभा
पुणें(महाराष्ट्र)
1,50,000/-

श्री तेजस लुंजा जी
बेंगलूरू
1,50,000/-

जांगिड समाज जिला भिवानी
(हरियाणा)
1,22,311

श्री सत्यपाल वत्स जी,
(बहादुरगढ़)
1,21,251/-

श्री उम्मेद सिंह डेरोलिया
जी,(बहादुरगढ़)
1,21,251/-

श्री राजू जांगडा सुपुत्र
श्री ईश्वर सिंह ठेकेदार(नजफगढ़,
दिल्ली)-1,21,000/-

इंजि. जय इन्द्र शर्मा जी,
(कुरथल)विज्ञान लोक,दिल्ली
1,11,121/-

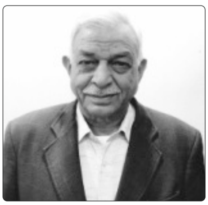

श्री लक्ष्मी नारायण जी,
(गुड़गांव)
1,11,111/-

डॉ. शेरसिंह जी जांगडा
गुड़गांव,(प्र.अ.हरि.)
1,11,111/-

श्री रमेश कुमार जी,
(सोनीपत, हरि.)
1,11,111/-

श्री वीरेन्द्र आर्य जी
(रोहतक)
1,11,111/-

श्री संजीव कुमार जी,
(रोहतक)
1,11,111/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

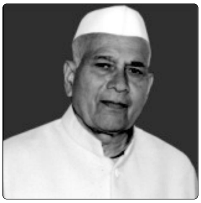

श्री रघुवीर सिंह आर्य जी
शामली, (उत्तर प्रदेश)
1,11,000/-

श्री नाथूलाल जांगिड जी एवं
श्री हरीशंकर जांगिड जी,(जयपुर)
1,11,000/-

श्री सुरेंद्र जांगिड़ जी,
(दिल्ली)
1,11,000/-

श्री फूलकुमार जी जांगडा,
(सोनीपत)
1,11,111/-

श्री प्रवीण जांगडा जी,
(द्वारका, दिल्ली)
1,11,000/-

श्री श्रीचन्द शर्मा जी,
मुल्तान नगर (दिल्ली)
1,11,000/-

श्री अमर सिंह जांगिड़ जी,
(मुम्बई)
1,11,000/-

श्री बनवारी लाल जांगिड,
(त्रिनगर, दिल्ली)
1,11,000/-

श्री कृष्ण कुमार बिजेनिया जी
(ग्राम ककरौला, दिल्ली)
1,11,000/-

श्री विश्वकर्मा जांगिड समाज सेवा समिति
सोजत सिटी (राजस्थान)
1,11,111

शाखा सभा श्याम विहार
(दिल्ली)
1,11,000

शाखा सभा नजफगढ़,
(दिल्ली)
1,11,000/-

उत्तम नगर शाखा सभा
(दिल्ली)
1,11,000/-

श्री ओम नारायण शर्मा जी,
साहिबाबाद,(पूर्व संपादक
जांगिड ब्राह्मण) 1,02,251

श्री ईश्वर दत्त जांगिड जी
(रोहतक)
1,02,000/-

श्री राजेन्द्र शर्मा जी,
समालखा(पानीपत)
1,01,111/-

श्री बृजमोहन जांगिड जी
(नागपुर)
1,01,101/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड
जी (नागपुर)
1,01,101/-

श्री सुनील कुमार जांगिड जी
(खोडा कालोनी-सुप्रसिद्ध समाजसेवी)
1,01,101/-

श्री अतरसिंह काला जी
(नांगलोई, दिल्ली)
1,01,101/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री आर.पी.सिंह जांगिड जी श्याम विहार-प्रभारी प्रादेशिक सभा दिल्ली 1,01,000/-

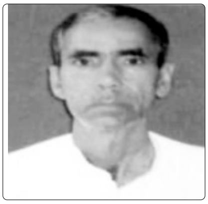

श्री राजबीर सिंह जी आर्य कोंडली-उपाध्यक्ष पूर्वी दिल्ली जिलासभा 1,01,000/-

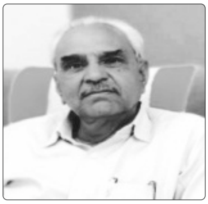

श्री हरिपाल शर्मा जी फालना 1,01,000/-

सीए अनिल कुमार शर्मा जी, आई.पी.एक्सटेंशन, दिल्ली) 1,01,101/-

श्री चन्द्रपाल भारद्वाज जी ज्योति कॉलोनी-पूर्व महामंत्री अ.भा.जां.ब्रा.महासभा 1,01,000/-

श्रीमती स्नेहलता जांगिड जी सोनीपत 1,01,000/-

श्री रमेश शर्मा जी, (मै.कमल प्रिंटर्स) दिल्ली 1,01,000/-

श्री दीपक कुमार शर्मा जी ज्योति कालोनी-सह सचिव पूर्वी दिल्ली जिलासभा 1,01,000/-

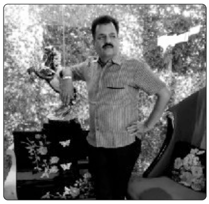

श्री अशोक कमार शर्मा जी, (औरंगाबाद) 1,01,000/-

श्री बंशीधर जांगिड जी, गोरेगांव, (मुम्बई) 1,01,000/-

श्री इन्दरराम तेजाराम जांगिड जी, (मुम्बई) 1,01,000/-

श्री गंगादीन जांगिड (दिल्ली) 1,01000/-

श्री रमेश चन्द शर्मा जी (प्रदेशाध्यक्ष-उत्तराखण्ड) 1,01,000/-

श्री जगदीश चन्दर जांगिड जी (सोनीपत) 1,01,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा जी (नांगलोई, दिल्ली) 1,01,000/-

श्री प्रमोद कुमार जांगिड जी (बड़ौत, उ.प्र.) 1,01,000/-

श्री पुरूषोत्तम लाल शर्मा जी (जयपुर,) 1,01,000/-

श्री किशन लाल जांगिड जी जयपुर, 1,01,000/-

श्रीमती विमला देवी किंजा, श्रीमती रामेश्वरी देवी कालोया, श्री विश्वकर्मा महिला संकीर्तन मंडल, रामगंज, अजमेर एवं कार्यकारिणी 1,00,121/-

श्रीमती सुमित्रा देवी जी ओमप्रकाश शर्मा जी(पूर्व उपप्रधान) महासभा 1,00,111/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री ब्रह्मानन्द शर्मा जी
सागरपुर दिल्ली,
1,00,001/-

श्री टेकचन्द जांगिड जी
फरीदाबाद,
1,00,000/-

श्री ललित जड़वाल जी
(अजमेर)
1,00,000/-

श्री चंपा लाल शर्मा जी
(बुलढाणा)
1,01,100/-

श्री विजय शर्मा जी
(ताबडू)
1,00,000/-

डॉ. ओ.पी. शर्मा जी
(दिल्ली)
1,00,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड जी
(हिसार)
1,00,000/-

श्री मंगलसैन जी शर्मा
(बड़ौत, उत्तर प्रदेश)
1,00,000/-

श्री सूरजमल जांगिड जी,
(हिंगोली)
1,00,000/-

श्री नानूराम जांगिड जी
(हिंगोली)
1,00,000/-

प. गंगा राम जांगिड जी
(जयपुर)
1,00,000/-

श्री रमेश चंद शर्मा जी,
(इंदौर)
1,00,000/-

श्री पुखराज जांगिड जी
(सिकन्दराबाद)
1,00,000/-

श्री राजतिलक जांगिड जी
(गुड़गांव)
1,00,000/-

श्री बाबूलाल शर्मा जी
(अहमदाबाद)
1,00,000/-

श्री नेमीचन्द जांगिड जी
(सिकन्दराबाद)
1,00,000/-

श्री सोमदत्त जांगिड जी
(नांगलोई, दिल्ली)
1,00,000/-

श्री प्यारे लाल शर्मा जी,
(छतीसगढ़)
1,00,000/-

श्री विद्यासागर जांगिड जी
(गुड़गांव)
1,00,000/-

आप सभी दानदाताओं का हार्दिक अभिनन्दन!

आप से विनम्र निवेदन है कि अपने द्वारा घोषित बकाया दानराशि जितना जल्द संभव हो महासभा के बैंक खाते में जमा करवाने की कृप्या करें।

सादर

सोमदत्त शर्मा
कोषाध्यक्ष महासभा

अनिल एस. जांगिड
महामंत्री महासभा

16.08.2021

बातें यादों में

स्व.प्रधान जी का साप्ताहिक संवाद-पत्र-9

आदरणीय समाज,

सादर वंदन

कोरोना दिनों दिन अपना विकराल रूप दिखा रहा है। विश्व में कई देशों में स्थिति नियंत्रण में है लेकिन भारत में यह अब नियंत्रण से बाहर है। केवल सरकार अकेले इसके लिये कुछ नहीं कर सकती। हरेक देशवासी को कोरोना की इस जंग में हाथ बंटाना होगा। महासभा एवं उसकी समस्त इकाईयां भी इस जंग में कमर कस के तैयार है।

कोरोना से समाज की हानि–

यकीन ही नहीं होता कि जो कल तक कंधे से कंध मिलाकर हमारे साथ समाज सेवा में डटे हुए थे वे आज अचानक हमें छोड़कर चले गये हैं।

महासभा के कार्यालय प्रबंधक श्री सोहनलाल जी जांगिड का अचानक यूं चले जाना समाज के लिये एक अपूर्णनीय क्षति है। हमारे वरिष्ठ साथी नांगलोई के श्री बी डी शर्मा और उनके भ्राता श्री सत्यदेव शर्मा एवं श्री बालचंद शर्मा मात्र ढाई महिने के अंतराल में ही हमें छोड़कर परमधाम चले गये। श्री विश्वकर्मा स्कूल संगम विहार के प्राचार्य श्री रमेश चंद्र शर्मा भी इस महामारी में चले गये। अहमदाबाद के प्रसिद्ध उद्योगपति एवं वरिष्ठ समाज सेवी नटराज मोटर बॉडी के मालिक श्री रामप्रताप जी शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी दोनों को इस महामारी ने हमसे छीन लिया है। थाटा, डेगाना के श्री बाबूलालजी चंवेल का जवान पुत्र श्री धर्मवीर भी इस महामारी का शिकार हो गया।

हमारे वरिष्ठ साहित्यकार श्री ताऊ शेखावाटी की पुत्रवधु श्रीमती सरिता शर्मा भी इस नश्वर संसार को अलविदा कह गयी हैं। नागौर के रूपाथल गांव के श्री सुरजाराम जी की पत्नी श्रीमती बेबी देवी पालड़िया, फतेहाबाद से श्री नेकीराम जी के पुत्र श्री रामनिवास जांगडा, कनौई से भगवानारामजी के छोटे भाई श्री जीतूजी सुथार, फिंच, लूणी से श्री दीपक मेगराज कुलरिया, बंबाला, टोंक रोड़ जयपुर से श्री गोपाललाल जांगिड, जोधपुर से श्रीमती प्रेमलता गुगरिया, डाढाला से श्री धुडारामजी सुथार, खारिया खंगार से श्रीमती मोहिनी देवी धर्मपत्नी श्री लुंबाराम जी चंवेल, जसराना के अहमदाबाद निवासी श्री बाबूलाल जांगिड पुत्र श्री भंवरलाल जांगिड, शामली से श्री रमेशचंद्र शर्मा, कुराबड़, उदयपुर से श्री अंबालाल कांदीवाल की पत्नी श्रीमती दुर्गादेवी, बड़ौदा से प्रहलादजी भगतजी, डीडवाना से श्री रावतरामजी के पुत्र श्री खेताराम कासलीवाल, जयपुर से श्रीमती प्रीति शर्मा जी की माताजी श्रीमती प्रेमलता शर्मा, गुरूकृपा इलेक्ट्रिकल्स, जोधपुर के श्री सुनील जांगिड,अहमदाबाद के श्री पुष्करदयाल दोसोदिया,

अहमदाबाद के ही श्री नारायणजी जलोदिया, फुलेरा के श्री राजीव जी मास्टर सहित कई लोग इस कोरोना के कारण अकाल मृत्यु को प्राप्त हुए हैं। भगवान उन सभी आत्माओं को अपने चरणों में स्थान प्रदान करें एवं परिजनों को यह आघात सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

कोरोना और हमारा एक दूसरे को सहयोग–

इस भंयकर समय में हम सब को एक दूसरे की मदद करने के लिये आगे आना होगा। एक संगठित समाज के सदस्य के रूप में और एक संस्था के रूप मे ंहम हर संभव सहायता के लिये तैयार है।

महासभा एवं उसकी कई इकाईयां इस दिशा में कमर कस के जुट गई है। राजस्थान प्रदेश सभा द्वारा बहुत ही सराहनीय कार्य इस दिशा में किया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय जी हर्षवाल द्वारा दो दिवसीय टीकाकरण प्रदेश सभा भवन में लगाया गया जिसमें करीबन 600 समाजबंधुओं के लाभान्वित होने के समाचार है। इसके अलावा श्री संजय जी दवाईयां एवं ऑक्सीजन मुहैया करवाने में भी लगे हुए हैं। कर्नाटक से भी समाज बंधुओं द्वारा कोरोना के खिलाफ जंग की तैयारियां की जा रही है। तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश जी जांगिड 24 घंटे फोन पर देश में कहीं भी मदद करने के लिये तत्पर रहते हैं। मैं बाकी प्रदेश सभाओं एवं जिला सभाओं से भी निवेदन करता हूं कि अपने अपने क्षेत्र में समाज बंधुओं की हर संभव मदद करने का प्रयास करें।

महासभा के द्वारा हम पूरे देश में समाज बंधुओं से जुड़े हुए हैं और अपनी तरफ से डॉक्टरों एवं अधिकारियों का सहयोग लेकर हर प्रकार की सहायता के लिये सदैव तत्पर हैं। अस्पताल के बेड एवं ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था जैसे मुश्किल कार्य भी हम कर रहे हैं। मैं आप सब की तरफ से यह घोषणा करना चाहता हूं कि देश में कहीं भी किसी बंधु को अगर कोरोना से लड़ने में आर्थिक परेशानी आ रही है तो महासभा ऐसे बंधुओं का खर्च वहन करने का प्रयास करेगी। इसके लिये एक आपातकालीन फंड हम तैयार कर रहे हैं।

आज ही हमने कुछ पदाधिकारियों से जूम पर मीटिंग की है और आने वाले दो चार दिन में सभी प्रदेश अध्यक्षों के साथ भी जूम मीटिंग करेंगे तथा सब साथ मिलकर इस महामारी का मुकाबला करेंगे।

यह हमारे सामने आ रहा है कि समाज के अधिकांश बंधु एक दूसरे की मदद में लगे हुए हैं। बस एक बात यह है कि बंधु मदद का प्रचार प्रसार नहीं कर रहें है। लेकिन इसका मतलब यह कत्तई नहीं है कि जो प्रचार नहीं करता वो मदद भी नहीं करता। ऐसे कई उद्योगपति, अधिकारी एवं सामाजिक पदाधिकारी हैं जो फोन करते ही मदद करने को तैयार रहते हैं और हरसंभव मदद भी करते हैं। हमारा यह फर्ज होना चाहिये कि हम ऐसे योद्धाओं का

मनोबल नहीं तोड़े। सब अपने अपने तरीके से मदद करने में लगे हैं और हम सभी मददगार हाथों का दिल से आभार व्यक्त करते हैं।

अगर हमने एक साथ मिलके जंग लड़ी तो-

हम होंगे कामयाब, हम होंगे कामयाब, हम होंगे कामयाब एक दिन
हां हां मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास, होंगे कामयाब एक दिन

अगले संवाद पत्र में फिर से आपसे रूबरू होंगे।

जय विश्वकर्माजी की।

आपका
(नेमीचंद जांगिड) राष्ट्रीय प्रधान महासभा

स्व.प्रधान जी का साप्ताहिक संवाद-पत्र-10

आदरणीय समाज,

सादर वंदन

कोरोना से दिनों दिन बलिदानों का सिलसिला रूक ही नहीं रहा है। क्या बूढ़े और क्या जवान...... हमारे समाज के सैंकड़ो लोग इस महामारी की भेंट चढ चुके हैं। ऐसे माहौल में मेरी आप सबसे विनम्र गुजारिश है कि अपने घर पर रहे और अपने आप को सुरक्षित रखें।

कोरोना काल में मदद-

यह राहत की बात है कि कोरोना काल में कई प्रदेश इकाईयां और समाज बंधु सेवा के लिये सामने आ रहे हैं। जयपुर में श्री संजय जी हर्षवाल बहुत बढ़िया कार्य कर रहे हैं। बैंगलोर में भी जांगिड समाज ट्रस्ट एवं कर्नाटक प्रदेश सभा के संयुक्त तत्वावधान में वहां 30 बेड का एक कोविड सेंटर बनाया गया है। इसके लिये कर्नाटक टीम को बहुत बहुत साधुवाद। साथ ही हमें जानकारी मिली है कि इंदौर में भी प्रदेश सभा एवं इंदौर समाज के लोगों द्वारा इस महामारी में कमर कस कर दिन रात लोगों की मदद की जा रही है। मैं राजस्थान, कर्नाटक एवं मध्य प्रदेश के सभी कोरोना योद्धाओं को दिल से नमन करता हूं।

महासभा के स्तर पर भी हमारे बंधुओं ने एक फंड बनाने का कार्य शुरू कर दिया है जिसमें लोग दिल खोल कर दान दे रहे हैं और अपने भाईयों की मदद के लिये आगे आ रहे हैं।

मेरा सभी बंधुओं से निवेदन है कि वो जहां है वहीं से कैसे भी करके हमारे समाज बंधुओं की मदद करने के लिये आगे आयें जिनको हमारी मदद की जरूरत है।

हमें यह दिखाना है कि इस दु:ख की रजनी बीच एक नया प्रभात हम सबके आपसी सहयोग से निकलेगा। आशा का संचार सब जगह फैलेगा। हम फिर से सब साथ होंगे।

अभी हाल ही में जालौर में एक बच्चे की बोरवेल में से जाने बचाने का कार्य श्रीमान माधाराम जी सुथार द्वारा किया गया जो किसी चमत्कार से कम नहीं है।

सभी को विनम्र श्रंद्धाजलि–

इस साप्ताहिक पत्र के लेखन के दौरान भी कई लोगों के स्वर्गलोक चले जाने के समाचार मिले हैं। अब मैं सबके नाम नहीं लिखना चाहूंगा लेकिन जो जो बंधु इस महामारी में हमें छोड़ कर चले गये हैं उन सबकी आत्मा की शांति के लिये भगवान से प्रार्थना करता हूं। साथ ही भगवान विश्वकर्माजी से प्रार्थना करता हूं कि सभी स्वर्गवासी आत्माओं के परिजनों को यह आघात सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

अगले संवाद पत्र में फिर से आपसे रूबरू होंगे।

जय विश्वकर्माजी की।

आपका

(नेमीचंद जांगिड) राष्ट्रीय प्रधान महासभा

स्व.प्रधान जी का साप्ताहिक संवाद-पत्र-11

आदरणीय समाज,

सादर वंदन

आज का यह संवाद पत्र एक दिन देरी से आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं उसके लिये मैं माफी चाहता हूं। लेकिन जिस दिन संवाद पत्र लिखना था उस दिन जब आदरणीय समाज गौरव श्री लीलाराम जी जांगिड के स्वर्गवास का समाचार सुना तो मन विचलित हो गया और कुछ भी लिखने का मन नहीं हुआ। मुंबई जैसी मायानगरी में 'जांगिड' शब्द को पहचान दिलाने का श्रेय अगर किसी एक व्यक्ति को जाता है तो वो हैं श्री लीलारामजी जांगिड।हाल ही में मेरे मुंबई प्रवास के दौरान श्री लीलारामजी से मेरी चार घंटे लगातार सामाजिक मुद्दों पर चर्चा हुई। उनके घर पर इस सामाजिक चर्चा में मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। समाज में बिना लाग लपेट, बिना डर, बिना हिचक स्पष्ट बात कहने वाले शेर थे लीलाराम जी। यह संपूर्ण जांगिड समाज के लिये अपूर्णनीय क्षति है। भगवान उनकी आत्मा को परम पद प्रदान करें एवं परिजनों को यह आघात सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

हमारे राज्यसभा सांसद श्री रामचंद्र जी जांगडा के भाई श्री वेदपाल जांगडा का देवलोक

गमन भी एक बहुत दुःखद घटना है। हमारे समाज के एक और भामाशाह एवं श्री सारंग साहब के नानाजी श्री हिमतारामजी जांगिड के स्वर्गवास के समाचार भी मिले। श्री हिमतारामजी महाराष्ट्र में राजस्थानी परंपराओं के महान पोषक थे। मेरे छोटे चचेरे भाई श्री त्रिलोक जांगिड लाडपुरा का भी असामयिक निधन हो गया। मेरे परम मित्र श्री सूरजमल जी सेवदड़ा की पुत्री रिता शर्मा का निधन भी एक बड़ा आघात है। गोगेलाव निवासी भामाशाह श्री रामचंद्र जी खन्ना साहब भी हमारे बीच नहीं रहे।

महासभा के पूर्व प्रधान श्री कैलाशजी बरनेला की माताजी श्रीमती गंगादेवी, शर्मा मशील टूल्स के श्री प्रकाश जी शर्मा, विश्वप्रसिद्ध मूर्तिकार एवं राज्यसभा सांसद श्री रघुनाथ महामात्र का देवलोक गमन भी इस महामारी के दौरान हो गया। प्रभु सभी महान आत्माओं को परम पद प्रदान करें।

पूर्व आरएएस श्री मांगीलालजी के भाई श्री भगवती प्रसाद जी एवं भाभी श्रीमती संतोष, सरदार शहर से डॉक्टर श्री अशोक कुमार, सूरत के श्री गायडरामजी ठेकेदार, जोधाना आर्ट जोधपुर के श्री पोलारामजी, विराट नगर के श्री प्रभुदयाल जी, अलवर धर्मशाला के पूर्व अध्यक्ष श्री राजेश जी, बांदीकुई से श्री मोहनलाल जी, देवास से श्री रमेश जी धामू, मसवाडिया से श्री भगवती लाल जी हायल, देवास से ही श्री कन्हैयालाल जी सिलक, देवास से श्री बाबूलालजी विश्वकर्मा, नीमच के अजय जी की पत्नी श्रीमती निधि शर्मा, नीमच के जिलाध्यक्ष श्री यशंवत जी धीर, निबांहेडा के श्री प्रह्लादजी शर्मा, दौलताबाद से श्री संदीप जी जांगडा, लबाना के श्री ललित कुमार जी जांगिड, जयपुर से श्री रमेश चंद्र सिरोठिया, बाड़मेर के मानवेंद्र जी की सुपुत्री श्रीमती पूजा शर्मा, संगवाल परिवार जयपुर के तीन सदस्य श्रीमती उमा देवी, श्री मुरारीलाल जांगिड एवं श्री कार्तिक जांगिड, रेनवाल के आसलिया परिवार से श्रीमती गीता देवी एवं श्रीमती बनारसी देवी, सिलक परिवार जयपुर से श्रीमती संजया एवं श्रीमती अनीता देवी, मोरडा के श्री श्रवण जी, थाटा, डेगाना से श्री धर्मवीर चंवेल, शामली से श्री राजकुमार जी एवं श्री सत्येन्द्र शर्मा, बुटाटी के व्यवसायी पुना निवासी श्री नथमल जी जांगिड, कोटा के श्री मनीरामजी जांगिड, दादरी से श्री सत्यनारायण जांगिड, बैंगलोर के श्री श्यामलाल जी जांगिड, जयपुर के सर्जिक्यूर प्लस परिवार से श्रीमती सत्यवती देवी, भिवानी से श्रीमती कमला देवी सहित कई लोग इस महामारी में हमें छोड कर चले गये हैं। भगवान उन सभी की आत्मा को शांति प्रदान करें एवं परिवार जनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

कोरोना काल में मदद–

महासभा द्वारा 23 डॉक्टरों का एक पैनल तैयार किया गया है और उनके नाम एवं नंबर सभी जगह सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंचा दिये गये हैं। यह सभी डॉक्टर कोरोना से

जुड़ी हर प्रकार की सलाह के लिये समाज बंधुओं की मदद के लिये तैयार रहेंगे।

राजस्थान प्रदेश सभा कोरोना काल में हर प्रकार की मदद करने के सभी प्रयास कर रही है। कर्नाटक, मध्यप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात एवं उत्तर प्रदेश की इकाईयां भी अपने अपने स्तर पर बेहतरीन सेवा कार्य में लगी हुई है। कुलरिया परिवार सिलवा द्वारा भी कोरोना काल में अनेक प्रकार के सेवा कार्य किये जा रहे हैं।

कोरोना काल में कई भामाशाह आगे आ कर मदद कर रहें हैं। मेरी सभी समाज बंधुओं से अपील है कि इस सेवा कार्य में पीछे ना रहे और समाज बंधुओं की मदद के लिये आगे आयें। जल्दी ही यह बुरा वक्त भी चला जायेगा।

हनुमान चालीसा पाठ

इस महाविपदा में शांति के लिये दिनांक 18 मई 2021 को प्रात: 11 बजे जूम एप् के माध्यम से सामूहिक सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया है। लिंक सोशल मीडिया पर उपलब्ध है।कृपया अधिक से अधिक बंधु इस पाठ से जुडें।

सभी घर पर रहें, खुद को और परिवार को सुरक्षित रखें।

अगले संवाद पत्र में फिर से आपसे रूबरू होंगे।

जय विश्वकर्माजी की।

आपका

(नेमीचंद जांगिड) राष्ट्रीय प्रधान महासभा

स्व.प्रधान जी का साप्ताहिक संवाद-पत्र-12

आदरणीय समाज,

सादर वंदन

कोरोना से समाज को होने वाली क्षति का पहिया अभी तक थमा नहीं है। एक सच्चे समाज सेवी एवं सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता, पाली समाज के पूर्व अध्यक्ष एवं महासभा के राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी समाज रत्न श्री भंवरलाल जी जोंपिग, पाली का अचानक यूं चले जाना समस्त समाज के लिये एक बहुत बड़ी अपूरणीय क्षति है। मेरी एवं समस्त समाज की हार्दिक संवेदनायें शोक संतृप्त परिवार के साथ है।बोरूंदा के युवा सामाजिक कार्यकर्ता श्री गोपाल जी सुथार भी हमारे बीच नहीं रहे। जांगिड ब्राह्मण सतीमठ के पूर्व प्रधान एवं जांगिड सेवा सदन हरिद्वार के सचिव श्री राम कुमार जी भरथल को भी कोरोना ने हमसे छीन लिया। जयपुर के तितरवाडिया परिवार के दामाद बैंगलोर के श्री सुनील कुमार जी, गोनेर धर्मशाला अध्यक्ष

श्री नाथूलालजी जांगिड, चेनार के श्री भागीरथ जी जांगिड, बनासकांठा के श्री उत्तमभाई सुथार, गुजरात, मेघरज से श्री फूलचंदजी मिस्त्री, मनोहरपुर से श्री गिरधारी जी झाला, द्वारका के श्री कृष्ण कुमार जी की माताजी श्रीमती विमला देवी, घेवडा के स्कूल प्राध्यापक श्री मूलारामजी सुथार, जयपुर निवासी डेगाना के श्री रामकिशन जांगिड, धार की श्रीमती इंदिरा बाई, प. बंगाल प्रदेश अध्यक्ष श्री सुशील जी के भांजे श्री अविनाश भारद्वाज, बयाना के पीटीआई श्री रामदयाल जी जांगिड, जयपुर आर्य समाज के पूर्व प्रधान श्री मोतीलाल जी की धर्मपत्नी श्रीमती शांति देवी, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शेरसिंह जांगडा की बहन श्रीमती आजादकौर, जालौर के श्री मासूंग भाई भीमाजी चोयल, थराद के श्री मोतीरामजी कुलरिया, निमाज पाली वाले श्री सत्यनारायणजी के युवा पुत्र श्री भरत जांगिड, सीकर के समाज सेवी श्री मालीराम जी शर्मा, चोमूं के श्री मोहनजी राजोतिया, अलवर दाउदपुर के श्री राजेश जी शर्मा, गाजियाबाद से महासभा के मंत्री श्री संजीवजी के चाचाजी श्री जयभगवानजी शर्मा, जयपुर के श्री लड्डू गोपालजी और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शारदा देवी, दौलतपुरा बैनाड के संगवाल परिवार के श्री भंवरलाल जी सहित कई लोग इस कोरोना काल में प्रभु शरण में चले गये। भगवान उन सभी की आत्मा को शांति प्रदान करें एवं परिवारजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

विपदा में मदद के प्रयास– महासभा ने अपने सामाजिक सरोकारों को समझते हुए इस महाविपदा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। जिस परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य कोरोना के कारण इस दुनिया से चला गया है उस परिवार को सहायता के रूप में महासभा द्वारा एकमुश्त 20,000 रूपये एवं 500 रूपये मासिक सहायता देने का निश्चय किया गया है। हालांकि यह एक छोटा सा मदद का प्रयास है लेकिन उम्मीद करते हैं कि महासभा के इस प्रयास से संगठन की सामाजिक प्रतिबद्धता एवं एक परिवार की भावना व्यक्त होगी। इसके लिये हमने सभी प्रदेश अध्यक्षों के साथ भी जूम मीटिंग की तथा कार्यकारिणी के अधिकांश सदस्यों से फोन पर वार्ता कर सामूहिक रूप से यह निर्णय लिया गया। महासभा के साथ साथ कई प्रदेश सभाओं ने भी अपने अपने स्तर पर लोगों की अलग अलग माध्यमों से आर्थिक मदद भी की है। राजस्थान प्रदेश सभा द्वारा टीकाकरण कैंप, दवाईयों एवं कोरोना के लिये अन्य आवश्यक सामग्री जैसे ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन कंन्स्ट्रेटर आदि की मदद की गयी है तथा आयुर्वेदिक काढा उपलब्ध करवाया गया है। कर्नाटक प्रदेश में बेंगलोर में जांगिड ब्राह्मण ट्रस्ट के सहयोग से वहां भी 30 बेड का कोविड सेंटर एवं अन्य सहायता की जा रही है। मध्यप्रदेश, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश आदि में भी आर्थिक सहयोग अलग अलग माध्यम से किया जा रहा है। तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश जी जांगिड पूरे देश के समाज बंधुओं की सहायता के लिये व्यक्तिगत रूप से तत्पर रहते हैं।

बड़ौदा के श्री राकेश शर्मा जी ने फोन करके यह इच्छा जाहिर की है कि किसी भी परिवार के कमाने वाले मुखिया के निधन के कारण उस परिवार का कोई भी बच्चा अगर आगे पढना चाहता है तो उसका खर्च वे स्वयं उठाने के लिये तैयार है। धन्यवाद राकेश जी आपके इस जज्बे एवं सोच के लिये। और भी अनेक भामाशाह अपने अपने स्तर बांकनेर स्कूल प्राचार्या का

विदाई समारोह–

बांकनेर स्थित अंगीरस भारती विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती शकुंतला देवी ने लंबे समय तक विद्यालय को अपनी सेवायें दी है। 22 मई को वर्चअल माध्यम से उनका सेवानिवृत्ति समारोह मनाया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि मैंने भी भाग लिया। शिक्षक समाज एवं राष्ट्र का निर्माता होता है। श्रीमती शकुंतला देवी ने भी समाज निर्मात्री के रूप में अपनी बेहतरीन सेवायें इस विद्यालय को दी। मैं उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना करता हूं।

महासभा भवन का कार्य एवं सहयोग–

महासभा भवन मुंडका के कार्य प्रगति के लिये भी हाल ही में भवन निर्माण कमेटी की एक जूम मीटिंग रखी गयी एवं लोकडाउन के चलते कार्य पर पड़ रहे असर की समीक्षा की गई। जयपुर से अंगिरा स्टोन के श्री अनिल जी ने घोषणा की है कि वे महासभा भवन के लिये चौखट में काम आने वाला समस्त पत्थर देना चाहते हैं। बहुत बहुत धन्यवाद अनिलजी आपका। कोरोना का प्रसार पहले से कम जरूर हुआ है लेकिन अभी भी सावधानी एवं सतर्कता की जरूरत है। बिना काम घर से ना निकले एवं स्वयं को और परिवार को सुरक्षित रखें।

अगले संवाद पत्र में फिर से आपसे रूबरू होंगे। जय विश्वकर्माजी की।

आपका

(नेमीचंद जांगिड) राष्ट्रीय प्रधान महासभा

एक निवेदन,

जैसा कि पत्रिका के पृष्ठ 06 के भाग 4 पर स्पष्ट किया गया है कि प्रबुद्ध व विद्वान लेखकों से निवेदन है कि आप की रचनाएं मौलिक होनी चाहिये न कि कहीं प्रचारित या प्रकाशित। फिर भी कुछ सज्जन–लेखक अपने लेख को पहले वाट्स अप या फेसबुक आदि पर प्रकाशित करने के बाद में हमारे पास पत्रिका में प्रकाशन हेतु भेज रहे हैं। जो उचित नही है। यहां यह भी स्पष्ट उल्लेखित है कि यदि आपने कोई रचना किसी दूसरे स्रोत से ली है तो उसका उल्लेख करना भी हमारा कर्त्तव्य बनता है। लेख कहीं से चुराया या नकल किया हुआ न हो। आशा है प्रबुद्ध लेखक इस निवेदन से सहमत होंगे।

सम्पादक

॥ओ३म् विश्वकर्मणेनमः॥

विश्व के सबसे प्राचीन एवं विशाल विश्वकर्मा समाज जिसकी वर्तमान जनसख्या अनुमानत करोडो मे है की वर्तमान समय मे एकता की अति आवश्यकता है । जब अलग अलग पंथो मे विभाजित जैनी लोग भगवान महावीर के नाम से एक हो सकते है । अनेक फिरको मे विभाजित मुस्लमान खुदा के नाम पर एक हो सकते है । अलग अलग पंथो मे विभाजित सिख गुरू नानक जी के नाम पर एक हो सकते है तो हम विश्व की सबसे बडी आबादी भगवान विश्वकर्मा के नाम पर एक क्यो नही हो सकते । क्या इसी तरह बिखरे रहना ही हमारी नियति मे लिखा है ?

हमारी एकता का मूल अवरोध-

जिस सनातनी वैष्णवों और पोगापंथी नामधारी बामणो ने शिल्प शास्त्र रचियता भगवान् विश्वकर्मा जी और उसके वंशज शिल्पी ब्राह्मणो (जांगिड , धीमान , बढई , पांचाल , सुथार , लोहार, खाती) को अछूत बनाया हमारा समाज आज भी उन वैष्णवो का गुलाम बना हुआ है । इसको एक उदाहरण से समझे- वैष्णव समाज की संस्था गीताप्रेस द्वारा 18 पुराणो की रचना की गई । लेकिन हमारे आराध्य भगवान् विश्वकर्माजी को अछूत समझकर घोर उपेक्षा की गई । गीताप्रेस ने आज तक भगवान् विश्वकर्मा जी और उनसे सम्बधित शिल्प शास्त्र की एक भी पुस्तक का प्रकाशन नही किया । इसका कारण क्या है ? अग्रेजी काल मे गुलामी की आदत पडने के कारण आज भी हमारा समाज उन्ही वैष्णव और रामानन्द पंथीयो के जाल मे फंसकर अपने आराध्य अंगिरा जी उनके हृदय मे प्रगटाभूत अथर्ववेद एवं ऋषि विश्वकर्मा जी और उनके द्वारा रचित शिल्प शास्त्र अर्थवेद से कोसो दूर अज्ञान और अंधकार मे ठोकरे खा रहा है । क्यो की चालाक वैष्णवो एवं पोगापंथीयो ने हमे वेद ज्ञान से इसलिए दूर रखा की कही हमारी पोप लीला की पोल नही खुल जावे ।

हमारे विश्वकर्मा वंशजो के जितने भी बडे-बडे नाम धारी वैष्णव पंथी संत महात्मा हुए वे सब अपने-अपने शिष्य बनाकर अपने पंथ का विस्तार करने मे ही मस्त रहे । हमारे किसी भी वैष्णव पंथी संत महात्मा ने समाज की अवस्था और दुर्दशा पर ध्यान नही दिया । यहां तक की अपने पूर्वज अंगिराजी और विश्वकर्माजी की भी घोर उपेक्षा की गई । यही भावना आज विश्वकर्मा वंशज हमारे समाज के बधुओ मे देखी जा सकती है । वेद एवं शिल्प ज्ञान विज्ञान से दूर हमारे विश्वकर्मा वंशज रामानंद पंथी , वैष्णवपंथी , कबीर पंथी , संघ पंथी , ब्रह्मकुमारी पंथी, आशाराम पंथी, साईबाबा पंथी, गायत्री परिवार पंथी, श्याम पंथी आदि अनेक पंथो मेविभाजित है । ये पंथ वाले केवल अपने पंथ को ही सर्वश्रेष्ठ मानकर हमारे समाज को अपने आराध्य अंगिरा जी , विश्वकर्मा जी और उनके द्वारा रचित अथर्ववेद एवं शिल्प शास्त्र अर्थवेद

से हमे दूर रखकर हमारे विश्वकर्मा वंशजो को संगठित होने से रोकते है । और हम अज्ञान के कारण जांगिड , धीमान् , बढई , पांचाल , सुथार , खाती आदि मे विभाजित हो रहे है । जब तक हम सब एक विचार नही होगे । तब तक हम संगठनात्मक रूप से एक नही हो सकते ।

इस बात को हमारे पूर्वज ज्ञानीयो ने समझा और हमे एक विश्वकर्मा का उपास्य बनाने के लिए ही 'अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा' की स्थापना की ।

गुरूदेव पं जयकृष्ण जी मणिठीयां लिखते है आप कौन ? 'जांगिड ब्राह्मण' ।आपका धर्म ग्रथ कौन ? 'अथर्ववेद और उसका उपवेद अर्थवेद ।'

वेद मे 'जांगिड' शब्द सबका हित और कल्याण करने वाली औषधि अथवा वैध के लिए आया है । इसी प्रकार ब्राह्मण शब्द शास्त्रो के ज्ञाता अपने ज्ञान विज्ञान से समस्त संसार का उपकार करने वाले ज्ञानवृद्ध विद्वान के लिए प्रयुक्त हुआ है ।

इस व्याख्या से ज्ञात होता है की हम विश्व के सर्वश्रेष्ठ (शिल्पी) जांगिड ब्राह्मण सबका उपकार ओर कल्याण करने वाले है । जो कभी किसी की पराधीनता स्वीकार नही करते । हमारे पुर्वजो ने शिल्प शास्त्रो मे स्पष्ट लिखा की- केवल अपने ही हाथ से काम करने वाला वह स्वतंत्र । जो दूसरो के अधीन वह परतंत्र । और जो कारीगर अपने काम के औजार भी आप स्वयं बनाता है वह 'सर्व क्रम स्वतत्र' । ब्राह्मण को आज्ञा नही की वह अपना काम दूसरो से करावे। यदि करावे तो स्वतत्रंता नष्ट होगी । फिर हम अज्ञान के वशीभुत होकर अन्य मजहबो मे फंसकर अपनी स्वतत्रंता और संगठन शक्ति कमजोर क्यो कर रहे है ?

परमात्मा विश्वकर्मा ने सूर्य- चन्द्र- तारे- पृथ्वी- जल हम सभी विश्वकर्मा वंशज ब्राह्मणो के लिए एक समान बनाए हैं । वैसे ही हम जांगिड , धीमान् , बढई , पांचाल , सुथार , खाती आदि सभी विश्वकर्मा वंशजो में भी एक विचार एवं समानता का भाव होना चाहिए ।

''तू रामानंद पंथी बनेगा , न वैष्णव पंथी बनेगा , न साई पूजक बनेगा ।'
[redacted]न जांगिड, धीमान, बढई बनेगा।' 'न पांचाल सुथार लोहार खाती बनेगा।'
'ऋषि अंगिरा वंश,और विश्वकर्मा की औलाद है केवल जांगिड ब्राह्मण बनेगा।'

परमात्मा विश्वकर्मा ने जब यह सृष्टि हम सभी विश्वकर्मा वंशजो के लिए एक समान बनाई है एक समान वेद का ज्ञान विज्ञान देकर हमे 'जांगिड ब्राह्मणत्व' प्रदान किया है । अब अगर हम अंगिराजी के हृद्धय मे प्रगटाभुत अथर्ववेद और भगवान् विश्वकर्माजी रचित अर्थवेद के ज्ञान विज्ञान को छोडकर केवल धीमान,बढई,पांचाल,सुथार,लोहार,खाती और अलग-अलग मत पंथी बनकर रहेंगे तो हमारा समाज और संगठन मजबुत कैसे होगा ? ये अलग-अलग मत-पंथ तो स्वार्थी मनुष्यो द्वारा बनाए गए हैं। इन सभी का एक ही उदेश्य है विश्वकर्मा वंशजो की संगठन शक्ति नही बनने देना । और हमे अपने मूल धर्म संस्कृति से काटकर अलग अलग पंथो मे विभाजित करके गुलाम बनाये रखना ।

प.घेवरचन्द आर्य, प्रचारमंत्री महासभा

सामाजिक मंचो पर / समाज सेवा के क्षेत्र में जिम्मेदारी

निभाने का मौका बहुत कम लोगो को ही मिलता है। क्योकि ज्यादातर समाज बंधु श्रौता और दर्शक ही रहना चाहते है। अब जिन्हे यह मौका मिलता है उन्हे तो समाज हित ओर समाज के प्रति पूरी जिम्मेदारी के साथ अपना किरदार निभाना चाहिए । हाँ यह भी कई बार देखते है, कि उन पर भी अनचाहे लोग मनचाहे आरोप प्रत्यारोप लगाते है । समाज सेवा के क्षेत्र के पथिको को हमेशा याद रखना चाहिए ''सोने की शुद्धता पर संदेह होता है लोहे की नही ।रद्दी तक तोली जाती है तराजू में बिकने से पहले, तुम्हे कोई परख रहा है तो इसमें बुरा क्या है ? समाज में कवि /, लेखक, / कलाकार /पत्रकार / समाज सेवी प्रायः उस डगर पर नहीं चलते जो उसे पसंद न हो। जिसके खिलाफ वह कलम चलाते है, वह पथ भी नहीं चुनते। पर हमारे समाज के कुछ कवि / पत्रकार / लेखक / समाज सेवी तो इन सबके उल्ट रुख अख्यत्यार करके चल रहे है। यह समाज के स्तंभ गिने जाते है। समाज की विसंगतियो पर प्रहारक माने जाते है। हां कई है जो सच लिखने की ताकत रखते है, तो कईयो को अपने अंको में किस के गुण गान से भी फुर्सत नही । वो समाज को कब कमी दिखाए या उसे ठीक करने में सहभागिता निभाए ।

आदरणीय प्रधान जी (स्वर्गीय नेमीचंदजी)के प्रति हमारा प्रेम आत्मीयता का एक निस्वार्थ दर्शन था ।स्वार्थ हेतु प्रदर्शन का नही ! वो स्वंय अच्छे श्रौता / वक्ता एवं सहनशीलता की प्रति मूर्ति थे । कई बार बोलते थे । समाज में सबको सब तरह से जिनके पास जो है उस रुप में सहयोग करना चाहिए तभी समाज आगे बढेगा । सहयोग अर्थ का विचारो का / समय का, कैसा भी हो होना चाहिए । सब की सहभागिता से ही सबका विकास संभव है। समाज को बडी हानि उनके जाने से हुई है । बड़ा शुन्य उत्पन हुआ है, जिसकी भरपाई कठिन है।''समाज के बदलने से पहले खुद को बदलना जरूरी है, दुनिया को बदलने से पहले खुद को ठीक करना जरूरी है। यह बिलकुल ऐसा ही है कि हमें जब ट्रैफिक पुलिस वाला पकड़ता है और चालान करने करने लगता है तो हम सौ रुपए देकर अपनी जान छुड़ाते हैं। ऐसे में हम क्या करते हैं? चूंकि चालान पांच सौ रुपए का होता, इसलिए हमने चार सौ रुपए बचा लिए।जाहिर है हम उस ट्रैफिक वाले से चार गुणा ज्यादा बड़े चोर हैं। ऐसे में हम किस मुंह से समाज के बदलाव के बात करते हैं।'' समाज में बदलाव अपने समाज बंधुओ के प्रति अच्छी सोच रखने से/किसी की उपलब्धि पर आत्मिक संतोष/खुशी/ गर्व होना चाहिए, कि मेरा कोई अपना आगे बढ रहा है, तरक्की कर रहा है। वो कथन सत्य है किसी का पाँव खिंचने से अच्छा है, हाथ खिंचियें समाज अपने आप उपर उठ जायेगा ।हमें समाज में हमारे वरिष्ठो का सम्मान करते हुए उनके अच्छे आचरण / अच्छे विचारो एवं उनके अच्छे कार्यो का अनुसरण करना चाहिए । उन्होने अपना सर्वश्रेष्ठ हमें दिया है, तो उनकी कमियाँ ना देखते हुए उनके अच्छी बातो को तव्वजो देनी चाहिए ।मैने लिख दी हर वो बात जो मेरे जहन में थी । अब उसे पढकर कौन कहाँ पहुंचता है यह उसकी जिम्मेदारी है। एक दिन आपसी चर्चा में एक धनिक समाज बंधु के अंहकार भरे उद्गार थे । पैसे से समाज सेवा होती है । बिना पैसे कैसी समाज सेवा । जहाँ तक मेरी जानकारी है शायद समाज के महापुरुष कोई धनिक नही थे । उनके समाज हित कार्यो को वित्तीय पोषण कहीं ना कहीं से मिलता रहता था, क्योंकि उनके कार्य किसी को भी उद्देलित कर देते थे । समाज में काम करने वाले इन्सान की नीयत ठीक हो तो बाकी कठिनाईयाँ अपने आप दूर हो जाती है । और कुछ नही तो समाज को अच्छे विचार देकर जाए .. . . प्रण ले / कोशिश करे .. अपना जीवन ऐसे जिए की आपकी बात का असर हो।

जीने का सलीका देके जाऊंगा , सोचने का तरीका देके जाऊंगा ..
सदियो तक पहाड दरकते रहेगें, समाज को ऐसी चोट देके जाऊंगा

रूपकिशोर जांगिड़ ''कुचेरा''
राष्ट्रीय प्रवक्ता अ.भा.जाँ.ब्रा.महासभा,दिल्ली, मो .. 9702195257

समाज में नारी को उचित सम्मान कब..?

एक समय था जब नारी का समाज में बहुत मान था। जैसे-जैसे समय ने करवट ली स्त्री शिक्षा तो बढ़ती गई परन्तु उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा कम होती गई। रक्षा करने वाल मां, सेवा करने वाली पत्नी, राखी बांधने वाली बहिन का सम्मान घटता गया। आज समाज में शिक्षा का प्रसार खूब हो रहा है। बालिकाओं की शिक्षा पर भी बराबर ध्यान दिया जा रहा हैं। परन्तु खेद की बात यह है कि जितना ज्यादा स्त्री शिक्षा का प्रसार हो रहा है। उतने ही ज्यादा स्त्रियों पर अत्याचार भी बढ़ रहे है। आज लड़कियां वकील, नर्स, डॉक्टर, वास्तुकार, पायलेट, वैज्ञानिक, जज, खिलाड़ी, शिक्षक, पुलिस कर्मचारी आदि है। पिछले कुछ दशकों में महिलाओं का स्तर काफी ऊंचा उठा है। शिक्षा के प्रचार के बावजूद भी स्त्रियों के प्रति, प्रतिदिन अपराध, अत्याचार हम सब के लिए चिंता का विषय बन गया है। पाप के वशीभूत मानव, इतना गिर जाता है न उसे बहिन नजर आती न ही माता । आज इक्कीसवीं सदी में हमने कदम रख दिया है और स्त्रियों को समानता का दर्जा देने का दम भरते है। परन्तु मैं यह पूछना चाहती हूँ कि 'भ्रूण हत्या' द्वारा कन्या का तो जन्म लेने का अधिकार भी छीना जा रहा है। एक और तो इतनी वैज्ञानिक प्रगति तथा दूसरी और मानवीय गुणों का पतन। यह कैसी अजीब बात है? इसलिए गर्भ में पल रही लड़की अपने माता-पिता से कहती है:-

1. मत जन्म से पहले मारो माँ, मुझे संसार में आने दो।
   इस घर परिवार में मेरा भी, माँ मुझे भाग्य अजमाने दो।
   इन प्यारे-प्यारे महलों में, पलने में मुझको पलने दो
   इन नन्हें-नन्हें पैरों से, घर के आंगन में चलने दो।
2. भईया के संग में पढ़नें दो, मुझकों भी शिक्षा पाने दो।
   होकर के बड़ी तेरे घर , मैं बड़े चाव से खाऊंगी।
   घर स्वर्ग समान बनाऊंगी, इस घर की शान बढ़ाने दो।
   मत जन्म से पहले मारो माँ, मुझे संसार में आने दो।
3. सावित्री, सीता, अनसुईया, मैं इनके जैसा काम करूं।
   रण में दुश्मन से नहीं डरूं, मुझकों भी तेग चलाने दो।
   मत जन्म से पहले मारो माँ, मुझे संसार में आने दो।
4. सब लड़का-2 ही हो जाए, तो लड़की कहां से लाओंगे।
   सब पिता-2 ही हो जग में, फिर माता किसे बनाओगे।
   कह गंगा फिर पछताओगे, इस घर को खुशी मनाने दो।
   मत जन्म से पहले मारो माँ, मुझे संसार में आने दो।

-कु. प्रियंका जांगिड
सुपुत्री श्री लेखराज जांगिड-नूंह(हरि.)

जांगिड समाज की होनहार प्रतिभाएं

डॉ रघबीर सांडिल्य , पदोन्नति के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी बने

डॉ विजय सांडिल्य, जांगिड़ अपनी मेहनत और कर्तव्य परायणता के बल पर इस प्रतिष्ठित पद पर पहुंचे हैं। ग्रामीण पृष्ठभूमि रखने वाले श्री सांडिल्य, की अभिरुचि प्रारम्भ से ही डॉक्टर बन कर मानवता की सेवा करने की थी और माता पिता के आशीर्वाद और भगवान की अनुकम्पा से उनका यह सपना डॉ बनकर साकार हुआ।

उन्होंने एम बी बी एस की परीक्षा स्नातकोत्तर मैडिकल कॉलेज रोहतक से 1995 में पास की। उन्होंने सन् 2003 में एम डी की परीक्षा पास की। डॉ सांडिल्य की चिकित्सा जगत में सराहनीय योगदान के लिए उन्हें हरियाणा सरकार द्वारा 27 जुलाई 2021 को पदोन्नति देकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी लगाया गया है।

डॉ सांडिल्य की धर्मपत्नी डॉ सुमन विश्वकर्मा भी भिवानी में उप चिकित्सा अधिकारी। इनकी सुपुत्री महक सांडिल्य भी एम बी बी एस की पढ़ाई कर रही है,

महासभा डॉ सांडिल्य के उज्जवल भविष्य और दीर्घायु की की मंगल कामना करती है।

उप-सम्पादक राम भगत शर्मा

बॉक्सर मनदीप जांगडा ने दूसरे प्रोफेशनल मैच में भी जीत हासिल की

भारतीय बॉक्सर मनदीप जांगडा ने अमेरिका के डेवान लिरा को तकनीकी नॉकआउट में हरा कर अपना दूसरा प्रोफेशनल मुकाबला भी जीत लिया। 27 वर्षीय मनदीप एशियाई चैंपियनशिप 2013 और कॉमनवेल्थ गेम्स 2014 में सिल्वर जीता था। मनदीप इस साल मार्च में प्रोफेशनल बनें। भारतीय मुक्केबाज ने लाइटवेट (61 कि.ग्रा.) कैटेगरी के चार राउंड के मुकाबले के दूसरे ही राउंड में नॉकआउट से जीत दर्ज की। मनदीप ने कहा कि मैं एमेच्योर में 69 कि.ग्रा. में खेलता था और मैनें नए वेट कैटेगरी में फिट होने के लिए अपना वजन कम किया। मनदीप ने अपने डेब्यू मुकाबले में अर्जेंटीना के लुसियानों रामोस का हराया था।

सम्पादक ओम प्रकाश सेवाल

जांगिड समाज की होनहार प्रतिभाएं

वर्षा जांगिड को ताइ क्वाण्डो में राज्य स्तरीय पुरस्कार

जांगिड समाज की बेटी, गांव पुर जिला भिवानी की रहने वाली ताइक्वांडो खिलाड़ी वर्षा जांगिड ने अम्बाला शहर में 8-9 अगस्त को आयोजित की गई राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 65 किलो भार वर्ग में तीसरा स्थान पर रहकर पदक हासिल करके समाज और प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। वर्षा जांगिड़ के पिता सुरेन्द्र जांगिड ने बताया कि उनकी सुपुत्री की खेलों में बचपन से ही रुचि है और आगे चलकर वह बेहतरीन खिलाड़ी बनना चाहती है। हमारे पास पैसे का अभाव है और गांव में सुविधाओं का भी अभाव है इस लिए उसे भिवानी के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 11वीं कक्षा में दाखिला दिलवाया है। वर्षा की मां श्रीमती सुमन जांगिड़ ने बताया कि उनकी बेटी ने पहले भी कई पुरस्कार जीते हैं और मुझे विश्वास है कि वह भविष्य में भी खेलों में समाज का नाम अवश्य ही रोशन करेगी।

गांव पहुंचने पर पूर्व प्राचार्य धर्म पाल जांगिड, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के पूर्व उपाध्यक्ष श्री राम जांगिड ने गांव की ओर से उसका जोरदार स्वागत किया और उसके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की है। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा वर्षा जांगिड के उज्जवल भविष्य और दीर्घायु की मनोकामना करती है।

सम्पादक ओम प्रकाश सेवाल

श्रम करने से शक्ति बढ़े या ना बढ़े
सहायता करने से शक्ति अवश्य बढ़ती है

जांगिड समाज की होनहार प्रतिभाएं

अजय जांगिड का अन्तर्राष्ट्रीय ओलंपियाड सांइस में प्रथम स्थान

प्रतिभा किसी का मोहताज नहीं होती , यह ईश्वर प्रदत्त देन है यह सिद्ध करके दिखलाया है, जीन्द जिला के गांव बड़ौदा के रहने वाले साधारण परिवार में जन्मे अजय जांगिड ने जिन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय सांइस ओलम्पियाड में रजत पदक हासिल करके जांगिड समाज का नाम गौरवान्वित किया है। इस अन्तर्राष्ट्रीय सांइस ओलम्पियाड लेवल 2 प्रतियोगिता का आयोजन वर्ष 2020 में किया गया था और अजय ने इसमें 100 में से 79 प्रतिशत अंक हासिल करके अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम रैंक हासिल किया। इन्हें एक्सीलेंस अवार्ड के साथ-साथ कांस्य मैडल भी प्रदान किया गया। लेकिन कोविड के कारण, मैडल इसी वर्ष जुलाई में प्राप्त हुआ है। अजय आजकल यदुवंशी शिक्षा निकेतन ईगराह जिला जींद में 11वीं कक्षा के विद्यार्थी है। महासभा इनके उज्जवल भविष्य और दीर्घायु की मंगल कामना करती है।

सम्पादक

ऐंजल राजोतिया को कनाडा न.1 के वि0वि0 का अंतरराष्ट्रीय वजीफा हासिल करने का गौरव प्राप्त

मूल रूप से हिसार, हरियाणा निवासी व जांगिड़ समाज की बेटी, बहुआयामी प्रतिभा की धनी, पूर्व सांसद पंडित रामजी लाल की नातिन, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के पूर्व अपर निदेशक श्री लीलाधर राजोतिया की पौत्री और चंडीगढ़ प्रशासन मे नियुक्त हरियाणा सरकार के रोजगार विभाग के उप निदेशक श्री प्रवीन राजोतिया की सुपुत्री कार्मल कॉन्वेंट स्कूल, चंडीगढ़ की छात्रा ,ऐंजल राजोतिया ने टोरोंटो विश्वविद्यालय, टोरोंटो द्वारा प्रत्येक वर्ष दिए जाने वाले अति प्रतिष्ठित और प्रतिस्पर्धात्मक छात्रवृत्ति पुरस्कार, अन्तर्राष्टीय लेस्टर बी पीयरसन को पाकर पूरे जांगिड़ समाज को गौरवान्वित किया है।यह अंतर्राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पुरस्कार प्रतिवर्ष विश्वभर से कुल 37 ऐसे प्रतिभाशाली छात्रों को दिया जाता है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष शैक्षणिक उपलब्धि, सृजनात्मकता और नेतृत्वता के गुणों से परिपूर्ण और पारंगत होते हैं। ऐंजल कनाडा से इंजीनियरिंग सांइस में 5 वर्षीय अवर स्नातक की डिग्री हासिल करेंगी, जिसमें एक वर्ष की पेड इन्टर्नशिप भी शामिल है। इस छात्रवृत्ति पुरस्कार में 4 वर्ष तक ऐंजल की पूरी ट्यूशन व इनसीडैन्टल फीस, किताबें, आवासीय सुविधायें, नि:शुल्क भोजन इत्यादि शामिल हैं। महासभा इनके उज्जवल भविष्य और दीर्घायु की मंगल कामना करती है।

उप संपादक

कविता

जांगिड समाज की महिमा

जांगिड जाति जाग भला क्यूं गफलत मे सोवें:स:।
विश्वकर्मा भगवान देख तेरे करमा न: रोव: स:।

ब्रह्म ऋषि अंगिरा जी होंगे, जो तेरे परदादा थे।
अथर्व वेद की रचना की वो अमर ज्ञात दाता थे।
उस देव ऋषि की कीर्ति न: क्यूं तू बैरण डोब:स:
विश्वकर्मा भगवान देख तेरे......

शिल्प कला की तू सै मालिक, जिस त: यो
जगत रचाया।
बिना शिल्प के इस सृष्टि पै पत्ता ना बण पाया।
तेरे बिना के इस सृष्टि की कोई रचना होव: स:।
विश्वकर्मा भगवान देख तेरे......

नल नील रामदल अन्दर, पाणी पै शिला तैराई।
इन्जनरी की अद्भुत महिमा उन दोनो नैह दिखलाई।
उनकी महिमा न: क्यूं बैरण साबण तै: धोवै: स:।
विश्वकर्मा भगवान देख तेरे......
यज्ञ, हवन, करना-करवाना तेरे नित्य करम थे।
देव, गुरू जो हुए बृहस्पति, तेरे ही पूर्वज थे।।
देव-गुरू की महिमा नै: क्यूं माटी में रोलै: स:।
विश्वकर्मा भगवान देख तेरे......
इन्द्र, ब्रह्मा, शिव की पूजा, दुनिया करती आवै:।
इन्द्र बज्र ब्रह्मा की शक्ति शिव त्रिशुल बतावै:।।
इनके रचियता विश्वकर्मा न: क्यूं बैरण डोब: स:।
विश्वकर्मा भगवान देख तेरे......
गुरू द्रोण से शिल्पी होंगे, अद्भुत शस्त्र बनाए।
उनसे शिक्षा ले अर्जुन नै कौरव बीज मिटाए।।इनकी
घटा कीर्ति न: क्यूं पाप सिर ढोव: स:।।
विश्वकर्मा भगवान देख तेरे......

श्री कृष्ण जी इस धरती त: भगवान महिमा पाए
द्वारका की रचना हित विश्वकर्मा धोर: आए।।
ऐसो तू वंशज जिन आग: भगवान रोव: स:।
विश्वकर्मा भगवान देख तेरे......

रावण की सोने की लंका, विश्वकर्मा ने बणाई।
जिस की महिमा रामायण में आज भी देय
गवाही।।
ऐसे कलाकार की जग में, बार-बार होव: स:।
विश्वकर्मा भगवान देख तेरे......

शिवनारायण घामडौजिया-उम्र बुढ़ापा आगी।
पूर्वजों की गाथा भायी बणा रागणी गायी।।
और जग में आके: किसे न इसा के होय: स:।
विश्वकर्मा भगवान देख तेरे......

मा.शिवनारायण जांगिड
घामड़ौज,गुरूग्राम,
संगठन मंत्री महासभा, दिल्ली

जीवन में अगर कुछ सीखना है तो जीने की कला सीखिए ताकि जीवन आपस में लड़ने-लड़ाने वाला बाँस का टुकड़ा न बने, बल्कि खुद को और सबको सुकून देने वाली बाँसुरी बनने का प्रयास करें।

कविता

हे विश्वकर्मा भगवान आप हमें ऐसा वर दो।

हे विश्वकर्मा भगवान आप हमें ऐसा वर दो।
कटुता दूर करो सबकी आपस में प्रेम भर दो।।
आपकी संतान शिल्पी सब गुणों से भरपूर हैं
वंशागत कला में मर्मज्ञ, पर आदत से मजबूर है।
नहीं कोई विद्या इनसे दूर है, उन्हें प्रेम का वर दो।1।
हे विश्व.......
सुथार, जांगिड़, खाती, पांचाल, बाड़ी और धीमान,
अनपढ़ भी यहां जन्म से हैं शिल्प कला में महान।
नहीं आपस में करते सम्मान, इनमें सद्बुद्धि भर दो।2।
हे विश्व.......
लकड़ी, लोहा, तांबा, पीतल और पत्थर का सब काम,
अमूर्त को मुहूर्त कर दे सारे जग में इनका नाम।
शिल्प कला है इनका मुख्य काम, मिलकर रहने का
इन्हें वर दो।3। हे विश्व........
हर कला के है कलाकार, बनाते यंत्र और औजार,
फिर भी रहते निर्धन है, नहीं करते निज उद्धार।
नहीं रखते परस्पर प्यार, इनकी कटुता को दूर कर दो।4।
हे विश्व.......
सबका अपना अपना काम, कड़ी मेहनत करते हैं,
भाईचारा नहीं रखते आपस में, सब लड़ते रहते हैं।
इसी कारण पिछड़े रहते, इनको सुमति का वर दो।5।
हे विश्व.......
स्वाभिमान से भरे पड़े हैं नहीं कोई हाथ फैलाता,
फाके बेशक जीवन में हो नहीं मांग कर खाता।
तू इन सब का है विधाता, इन्हें मालामाल कर दो।6।
हे विश्वकर्मा भगवान आप हमें ऐसा वर दो।।

देशराज आर्य,
पूर्व प्रधानाचार्य रेवाड़ी

कविता अमर रहती है

लोग कहते है कविता समय बर्बाद करती है,
ये क्या कम है कि कवि जाने के बाद दुनिया याद करती है !!
कविता व लेख लिखना ये हंगामा खड़ा करना मकसद नही है मेरा,
समाज में प्रगति की लहर दोड़ी चली आएं !!
ये उद्देश्य है मेरा..........
ये आग मेरे सीने में ना सही,
तेरे सीने में जलती रहनी चाहिए !!
ताने लाख मारे दुनिया चाहे,
लक्ष्य को पूरा करने मै रोज सवेरे निकल पड़ता हूं
माना की शरीर मेरा जीर्ण - शीर्ण की ओर बढ़ रहा है,
पर लक्ष्य मेरा प्रतिदिन युवा हो रहा है !!
हम भले ही भूखे प्यासे रह जायेंगे,
पर समाज में प्रगति के लिए कदम हमारे रुकने न पायेंगे !!
भड़की चिन्गारी से अनेक मशाल हम जला ले जायेंगे,
घर घर जायेंगे हम, प्रगति का अलख जगायेंगे !!
ये आग मेरे सीने में ना सही,
तेरे सीने में जलती रहनी चाहिए !!
माना की मंजिल मेरी दूर है,
पर करिश्मा कलम् का ठहरता नही !!
शब्दों की समय सीमा नही होती,
शब्द ब्रह्म स्वरुप होते है !!
शब्दों की विलेक्ष्ण रचना से बनती है कविता,
ये माँ शारदे का दिया हुआ प्रसाद होता है भाई मेरे !! इसीलिए.....कविता अजर अमर है,लोग सदियों तक गुन गुनाते रहेंगे....

कवि=दलीचंद जांगिड सातारा महाराष्ट्र

बुढ़ापा

हिमगिरि के उत्तुंग शिखर के उदगम स्थल से द्रुतगति से प्रवाहित होने वाली सरिता जब बहती है तो राह में आये शिला खण्डों, प्रस्तरों की तोड़ फोड करती हुई समतल मैदानी भू-भागों में अपनी देह का विस्तार कर अपने पाट को बढ़ाती हुई सैकड़ों किलोमीटर चलकर रत्नाकर के समीप पहुँचती है तो शान्त और मंथर गति से बहती है, तटों पर पत्थर जमा कर डेल्टा बनाती है और समुद्र में समा जाती है। उसी प्रकार मनुष्य ब्रह्म के अंश के रूप में जन्म लेकर किशोर और तरूण अवस्था में खून में उबाल होने के कारण जोश में होश खोकर कई शर्मनाक घटनाएँ घटित करता है होश आने पर अपने रोजगार और परिवार का विस्तार करता हुआ वृद्धावस्था में कृश होकर शान्त और पराधीन हो जाता है। वह जरावस्था से जर्जरित होकर ब्रह्मलीन हो जाता है। जिन्दगी के आखरी पड़ाव का नाम ही बुढ़ापा है। जिस प्रकार वृद्ध वृक्ष के पल्लव, शाखाएं धीरे-धीरे सूख जाती है उसी प्रकार मनुष्य का शरीर भी सूख जाता है, उन पर झुर्रियां पड़ जाती है, कमर झुक जाती है, कानों से बहरा होने लग जाता है, पाचन क्रिया कम जाती है। ऐसी असहाय स्थिति में दूध, दलिया और खिचड़ी खाने को मन करता है। परिर्वतन की आँधी से समाज की संरचना ही बदल गई। घरों में डिग्रीधारी बहुएँ आने लगी व उनके ऐसे ससुर के लिए यह परेशानी कौन भुगते। उनकी सेवा करते-करते घरवाले दुखी हो जाते हैं। कई लोग ऐसे भी होते हैं जो जानबूझकर रोगों को निमन्त्रण देते है। तली हुई वस्तुएँ और चाट पकोडे खाने लग जाते हैं । जिससे उनके मस्से हो जाते है बुढ़ापे में उनमें खून पड़ने लग जाता है। उनकी असह्य वेदना सही नहीं जाती हैं। बुढ़ापे में घुटने में दर्द होता है। शरीर का सन्तुलन बिगड़ने से पैर तुड़वा लेते है। बुढ़ापे में गिरा हुआ मनुष्य खड़ा नहीं हो सकता। वह अपने बीते दिनों को स्मरण करता रहता है। सत्कर्मो के लिए मन में गर्व करता है। माता-पिता अपने चार पांच पुत्रों का पालन पोषण ठीक प्रकार से कर देते है। परन्तु वे पुत्र माता-पिता को अपने पास नहीं रख सकते हैं उनकी सेवा नहीं कर सकते हैं। वे आपस में बुरी तरह झगड़ते हैं। लोक हसाई करते है आखिर निर्णय यह होता है कि एक बेटा बाप को रखेगा। दूसरा मां को रखेगा । एक जमाना ऐसा होता था जिसमें वृद्ध व्यक्ति का मान सम्मान हुआ करता था। घर का एक पत्ता भी उसकी आज्ञा के बिना नहीं हिलता था। विवाह, शादी भात, दशोठन आदि मांगलिक कार्यो में वह प्रमुख होता था। बेटा तथा घर के सभी सदस्य उसकी आज्ञा का पालन करते थे। दादा-दादी अपने बेटे को कहानियां सुनाकर अच्छे संस्कार देते थे। अब टेलीविजन इन्टरनेट और फेसबुक का युग आ गया। इन यंत्रों ने संस्कारों का सत्यानाश कर दिया। सब मानवीय मूल्य मिट्टी में मिल गये। वृद्धों की दुर्दशा के कारण देश में भी वृद्धाश्रम बन गये। वृद्ध व्यक्ति की सेवा नहीं होने से देश और समाज की भी दुर्दशा हो रही है। इस जमाने में लोगों की सहन शक्ति समाप्त हो गई। समाज का ढांचा ही बिगड़ गया। वृद्ध व्यक्ति की सेवा करके कोई आशीर्वाद नहीं लेना चाहता है। विदेशी संस्कृति और सभ्यता हमारे जीवन में छा गई। अब तो वृद्ध व्यक्ति की सेवा करने वाले घरों के नमूने ही रह गए हैं।

छाजूलाल जांगिड, सेवानिवृत व्याख्यता, नवलगढ़, झुन्झुनू

पिछड़े वर्गों के लिए डॉ बनने के रास्ते खुले
नीट की परीक्षा में 27 प्रतिशत आरक्षण।

राज्यसभा सांसद श्री राम चन्द्र जांगड़ा ने समाज के युवाओं को अपना हक दिलाने के लिए आवाज उठाई और यह आवाज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तक भी पहुंची, जिसका परिणाम बड़ा ही सुखद रहा है।

श्री जांगड़ा आज कल सारे देश के विश्वकर्मा समाज को एकता के सूत्र में बांधने का प्रयास कर रहे हैं। 8 जुलाई को देश भर में मेडिकल कॉलेजों के लिए नीट की परीक्षा का कार्यक्रम घोषित हुआ, उसमें पिछड़े वर्गों के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं किया गया था। यह बात जांगिड़ समाज के कुछ प्रबुद्ध लोगों और युवाओं को नागवार गुजरी और उन्होंने इस असहनीय पीड़ा और अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद करने का निश्चय किया। इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए ही, समाज के अनेक प्रबुद्ध लोगों ने सांसद महोदय से मुलाकात करके, इस मामले को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संज्ञान में लाने के लिए आग्रह किया ताकि अन्य पिछड़े वर्गों के लोगों को आरक्षण का लाभ मिल सके जिसमें हमारा जांगिड़ समाज भी शामिल हैं।

सांसद महोदय ने केन्द्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और अनुप्रिया पटेल से मिल कर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करने का फैसला किया ताकि आरक्षण के लागू होने से डाक्टर बनने में आ रही सभी बाधाओं को दूर किया जा सके। श्री जांगडा के प्रयास का सुखद परिणाम 27 जुलाई को आया , जिस समय एक प्रतिनिधिमंडल ने माननीय प्रधानमंत्री जी से मुलाकात करके पिछडे वर्गों के लिए नीट की परीक्षा में आरक्षण देने के लिए ज्ञापन सौंप कर नीट की परीक्षा में 27 आरक्षण देने की मांग की गई। प्रधानमंत्री जी ने इस मांग को स्वीकार करते हुए इसे इसी शैक्षणिक सत्र 2021-22 से लागू करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। जिससे लगभग 5500 डाक्टर प्रति वर्ष बनकर देश सेवा में अपना अमूल्य योगदान दे सकेंगे।

हरियाणा प्रदेश में सन् 1995 में तृतीय क्लास एवं चतुर्थ श्रेणी के लिए मण्डल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 27 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया , जबकि प्रथम श्रेणी और द्वितीय श्रेणी की नौकरियों में पिछड़ा वर्ग ए और बी दोनों को मिलाकर कुल 10 प्रतिशत आरक्षण ही दिया गया था, जो कि प्राय: पिछडे वर्ग-बी में आने वाली प्रभावशाली जातियों को ही इसका

लाभ मिलता रहा है। मुझे याद है कि मेरी एक परिचित जांगिड डाक्टर लिखित परीक्षा में रोहतक मैडिकल कॉलेज की प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान पर रहने के बावजूद भी उसका दाखिला नहीं हो पाया, क्योंकि साक्षात्कार में कम अंक देकर उसे बाहर कर दिया गया। फिर न्यायालय के आदेश के बाद ही वह डॉ बन पाई। इसका परिणाम यह हुआ कि समाज का सन् 1995 से लेकर सन् 2014 तक एक भी एच सी एस अधिकारी नहीं बन पाया , लेकिन जिस प्रकार से मार्च 2014 में पिछड़े वर्ग ए के लिए अलग से 10 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया, उसी समय समाज के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई और इससे हरियाणा में जांगिड समाज के अधिकारी बनने का रास्ता प्रशस्त हुआ और इसका परिणाम यह हुआ कि एच सी एस में वर्ष 2019 में आर्य नगर के दो सगे भाइयों अजय और अभय ने बाजी मारी , इसके अतिरिक्त 5 और अन्य अधिकारी एच सी एस अलाईड के लिए चुने गये।

हरियाणा में पिछड़े वर्ग का सर्टिफिकेट बनवाने के कुल आय 8 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। बी सी का सर्टिफिकेट बनवाने के लिए सरकारी कर्मचारियों का वेतन जोड़ा जा रहा है। जबकि मण्डल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार सरकारी कर्मचारियों का वेतन तथा कृषि की आमदनी कुल आय में नहीं जुड़ता है । हरियाणा राज्य देश का ऐसा पहला राज्य है, जहां पर यह तुगलगी फरमान लागू किया गया है। अब एक युवा आई ए एस अधिकारी तो बन सकता है , जिसमें क्योंकि उसका ओबीसी का सर्टिफिकेट तो बन सकता है, क्योंकि ओबीसी का सर्टिफिकेट बनवाने के लिए सरकारी कर्मचारी का वेतन नहीं जुड़ता है। जबकि हरियाणा में पति–पत्नी दोनों सरकारी नौकरी में हैं तो उसके लड़के का बी सी का सर्टिफिकेट नहीं बन सकता है। क्योंकि वेतन जोड़ने से 8 लाख रुपए से अधिक आय हो गई है तो बी सी का सर्टिफिकेट नहीं बन सकता है।

इस मामले को मुख्यमंत्री के साथ बैठक करके तत्काल सुलझाने का प्रयास किया जाए ताकि इस ऊहापोह की स्थिति से निकल कर पात्र व्यक्तियों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाए।

उप सम्पादक – राम भगत शर्मा।

कर्म का फल व्यक्ति को उसी तरह ढूंढ लेता है,
जैसे कोई बछड़ा सैंकड़ों गायों के बीच अपनी माँ को ढूंढ लेता है।

आदरणीय पूर्व प्रधान श्री रविशंकर जी जांगिड द्वारा नयी कार्यकारिणी को दिये गये चार्ज का विवरण!
जो सी.ए. अनिल शर्मा जी पूर्व सह कोषाध्यक्ष से 5.02.21 को उनके निजी कार्यालय में जाकर लिया गया

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

पंजीकृत सं. एस.-27/1919
440, हवेली हैदर कुली, चाँदनी चौक, दिल्ली-110006
दूरभाष: 011-23924707, फैक्स: 011-23942772
Website: www.abjbmahasabha.com, e-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

महर्षि अंगिरा जी

क्रमांक: 										दिनांक: 05-02-2021

To,

Shri Nemi Chand Sharma Ji (Pradhan) / Shri Anil S Jangid Ji (General Secretary)
Akhil Bhartiya Jangid Brahmin Mahasabha,
440, Haveli Haider Quili
Delhi. 110006

Sub: Handing Over of the Charge to the New Management of the Mahasabha

With reference to the aboe please find enclosed the followings:

1. Mahasabha Receipt No. 27771/1551 dt 03-07-2014 for Regn No. S-27.
2. Original Rules and Regulations of Mahasabha- 17 Pages. (Mahasabha Constitution)
3. Audit Report and ITR of Mahasabha From F. Year 2017-18, 2018-19, 2019-20 along with Copy of Balance Sheet, Profit & Loss Account and ITR.
4. Unaudited Data for the F. Year 20-21 till 18-01-2021 in soft copy in tally.
5. Tally data for the year 2018-19 and 2019-20. (No soft data data of earlier years)
6. Original Registration Certificate of Mahasabha issued by the office of Commissioner of Industries (Govt of NCT of Delhi) dt 24-06-2011.
7. Original TAN allotment letter dt 27-12-2013.
8. Original Registration u/s 12A of the Income Tax Act, 1961 in the name of Mahasabha dt 02-06-2011.
9. Original Registration u/s 80G of the Income Tax Act, 1961 in the name of Mahasabha dt 02-06-2011.
10. Printed booklet of rules & regulation of Mahasabha (one copy handed over and rest lying in the stock at Mahasabha.
11. Original PAN Card of Mahasabha alongwith PAN Allotment Letter.
12. Cash Book, Bank Book printiout for the year 2018-19, 2019-20, 2020-21 (Up to 18-01-2021)
13. Scholorship Record as handed over to us by Shri Dinesh Jangid "Saarang" Ji which available in a bag in Mahasabha.
14. Court Case files as handed over in Mahasabha in white bag.
15. Original Minutes Book Register Maintained by Shri Chandra Pal Bharadwaj Ji.
16. Copy of the Minutes Book Register maintained by Shri Shiv Nath Sharma in the Mahasabha in white bag.
17. All Furnitures and Fixtures, Computers and Other Equipment at Mahasabha.
18. Membership Register in Mahasabha Office.
19. All Membership Forms in Mahasabha Office.
20. Shakha Sabha Register, Zila Sabha Register and Pradesh Sabha Register in Mahasabha Office.
21. Voucher Files for the year 2018-19, 2019-20, 2020-21 (up to 18-01-2021) as handed over in Mahasabha. (Rest Available in Mahasabha Itself)
22. Original FD of Rs. 10,00,000/- with State Bank of India, Town Hall, Chandni Chowk, Delhi handed over.

CA Anil S. Sharma

Contd- 2

23. Copy of Assessment Order under section 143(3) for A. Year 2016-17 along with computation sheet.
24. Copy of Appeal Filed against the Assessment Order as above for A. Year 2016-17 along with copy of Challan and copy of submission regarding filing of "Vivad se samadhan" Scheme.
25. Copy of Vivad se Samadhan Application Filed for A. Year 2016-17.
26. Copy of Form-3 received from the Income Tax department acknowledging the above said dues to us in Vivad se samadhan scheme
27. Copy of Land Records in respect of Property situated at Basant Kunj (New Delhi), Karol Bagh (Delhi), Sadar Bazar (Delhi), Chandni Chowk (Delhi) and Mathura (Uttar Pradesh) were not handed over to Shri Kailash Chandra Sharma (Barnela) by Shri Hira Lal Sharma being then outgoing Pradhan at the time of Shri Kailash Chandra Sharma (Barnela) taking charge from him. Due to this reason no record is available with the Mahasabha.
28. Original Land Papers of lands at Mundka has already been handed over on 18-01-2021.
29. Copy of the Original Contract with the builder Jai Shree Enterprises along with the Original letter of extension request and Original letter of extension granted along with all the original bills submitted by the contractors duly verified by the architect/structural engineer along with a copy of account of the Contractor with us and relevant papers handed over.
30. All the used and unused Receipt Books handed over with details. (As per the list enclosed)(Total 32 Re
31. All passwords of website and email id has been handed over to the new management.
32. All blank Receipt Books has already been handed over to the new management. (Total 32 Receipt Books)
33. All the unused coupan books has already been handed over on 18-01-2021.
34. Original Passbook of Canara Bank and SBI handed over. (Total 5 Passbooks)
34. Copy of Grievance submitted against demand of Income Tax for A. Year 2017-18. (Rectification Pending)
35. Copy of Donation list for Mahasabha Bhawan as on 31-03-2019, 31-03-2020 and 18-01-2021 enclosed.
36. Original Cheque Book of SBI along with requisition slip handed over with all signed cheque duly cancelled. Handed over.
36. Nothing regarding Bankner School has been handed over today as most of the record is lying in the schoo Itself and all the relevant records of Bankner School like property papers, bank records, accounts, cash boc day book will be handed hand over by 20th February, 2021 to the new management.

The charge of the Akhil Bhartiya Jangid Mahasabha as mentioned above and attached herewith has beer handed over to the new management as per the list enclosed above and as per the charge received from the immediate previous outgoing management body to us. If anything is found missing from this list we shall be always available to provide all the information required in future if any.

Handed over:

(Ravi Shanker Sharma/Chander Pal Bhardwaj)

Taken Over:

(Nemi Chand Sharma/Anil S Jangid)

Annexure:-

Receipts books in use Handed over to the new management

S. No.	Book No.	Receipt No. Used	Receipt No Unused	
001	1466	21251-21255	21256-21300	For Uttar Pradesh State Elections
002	1482	22051-22059	22060-22100	For Madhya Pradesh State Elections
003	1492	22551-22572	22573-22600	
004	1500	22951-22975	22976-23000	
005	0277	13801-13834	13835-13850	
006	1491	22501-22550	N.A.	
007	1485	22201-22250	N.A.	
008	0224	11151-11200	N.A.	Recd from Sh Shanker Lal Ladoya & Used by Mahasabha
009	1490	22451-22500	N.A.	
010	1455	20701-20744	20745-20750	
011	0658	32851-32883	32884-32900	
012	0948	47351-47400	N.A.	
013	1497	22801-22832	22833-22850	
014	0223	11101-11150	N.A.	Recd from Sh Shanker Lal Ladoya & Used by Mahasabha
015	1518	23851-23866	23867-23900	Recd from Sh Ramesh Sharma & Used by Mahasabha
016	1495	22701-22716	22717-22750	For National Election
017	1487	22301-22350	N.A.	
018	1454	20651-20700	N.A.	
019	0940	46951-47000	N.A.	
020	1453	20601-20633	20634-20650	
021	0618	30851-30898	30899-30900	
022	1493	22601-22638	22639-22650	
023	0591	29501-29523	29524-29550	Recd from Sh Dev Mani Jangid (Blank)
024	1600	27951-27997	27998-28000	
025	1452	20551-20596	20597-20600	
026	0592	29551-29563	29564-29600	Recd from Sh Phool Kumar Jangra, Dwarka, Delhi.
027	1486	22251-22262	22263-22300	
028	1499	22901-22903	22904-22950	
029	0055	02701-02750	N.A.	Used for Sainik Rahat Kosh
030	1498	22851-22889	22890-22900	
031	1236	09751-09798	09799-09800	
032	1237	09801-09813	09814-09850	

Handed over:

(Ravi Shanker Sharma/Chander Pal Bhardwaj)

CA Anil Kr. Sharma

Taken Over:

(Nemi Chand Sharma/Anil S Jangid)

अभी भी कुछ कागजात व हिसाब बाँकनेर स्कूल एवं महासभा के 80जी के रेजिस्ट्रेशन के नवीनीकरण से सम्बंधित व इंकम टैक्स और टीडीएस रिटर्न बाकी हैं जो सी ए अनिल शर्मा जी से बार बार आग्रह करने पर भी कोई जवाब नहीं दे रहे हैं! हम आदरणीय पूर्व प्रधान श्री रविशंकर जी से आग्रह करते हैं कि वो सम्बंधित व्यक्ति को पाबंद करें कि वो अविलम्ब बाकी के कागजात महासभा कार्यालय में सौंप दें!

वधू चाहिए

(M-02/02/21)-आवश्यकता है जांगिड ब्राह्मण सुन्दर युवक हेतु सुयोग्य कन्या की, जन्मतिथि. 8.02.1995, समय- 2:30 AM, जन्म स्थान-रोहतक, कद- 5.'9", शिक्षा- बी.बी.ए., मैनेजर- रिलांयस रिटेल लि. काठमंडी रोहतक, Salary Package- 2.80 Lakh Per Annum, पिता श्री धर्मवीर शर्मा का बैटरी उदपादकता का अपना व्यवसाय इसके अतिरिक्त नौ एकड जमीन काहनौर गांव में, **शासन**-स्वयं-सांवलोदिया, माँ-कालोनिया, दादी-बोन्दवाल, सम्पर्क सूत्र- 9896296542, 8570885265

(M-01/08/21)-Wanted a suitable match fo a jangid Brahmin boy, D.O.B- 13-11-1989 at 2.25 A.M. in Delhi, Ht,- 5'11'', Education- B.Fine Arts Delhi University, Service in Delhi Police, Shasan- Self- Samadhiya, Mother- Charkhia, Grand Mother- Kataria, , Contact No- 9810075060, 7042278908

शख्सियत जांगिड समाज की होनहार प्रतिभा

राजेन्द्र जांगिड सुपुत्र श्री भँवर लाल जी चोयल रतनास (नागौर) हाल निवासी अम्बाजोगाई (महाराष्ट्र) जिन्हे अम्बाजोगाई समाज का आंतर भारती स्नेह वर्धन पुरस्कार प्रदान किया गया । इस पुरस्कार की महत्ता अम्बा जोगाई में भारत रत्न के बराबर मानी जाती है । ओर अम्बा जोगाई का भारत रत्न पुरस्कार ही कहा जाता है। अम्बाजोगाई के गणमान्यो की उपस्थिति में उन्हे यह पुरस्कार मराठी मारवाड़ी एवं अन्य समुदायो के आपसी स्नेह / प्रेम / विश्वास को बढावा देने के लिए दिया गया । हंस मुख स्वभाव के धनी राजेन्द्र जी जांगिड की इस उपलब्धि पर हम सभी समाज बंधु गर्व का अनुभव करते है।

अनिल एस.जांगिड,महामंत्री महासभा

शोक सन्देश/श्रद्धांजलियां

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि श्रीमती ईमरत देवी धर्मपत्नी स्व.जयनारायण जांगिड सीहा जिला रेवाड़ी (हरि.) का दिनांक 07.07.2021 को 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आप धर्मपरायण, मृदुभाषी, मिलनसार, सामाजिक एवं धार्मिक प्रवृत्ति की कुशल गृहणी थी। आप अपने पीछे तीन पुत्र श्री अशोक जांगिड, विजय जांगिड, राजेश जांगिड(पूर्व सरपंच) तथा दो पुत्री गुड्डी, मंजू सहित सुखी सम्पन्न परिवार छोडकर गई है। इनकी पुण्य तिथि के अवसर पर परिवारजनों, सगे सम्बन्धियों तथा जांगिड समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर भावभीनी श्रद्धाजंलि अर्पित की। इस अवसर पर परिवारजनो ने महासभा को 500/-रूपयें दानस्वरूप भेंट किये।

महासभा ईश्वर से प्रार्थना करती हैं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

ॐशांति... शांति ..शांति..

धर्मदत्त जांगिड, शाखा सभा सीहा, रेवाड़ी

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि श्री हरि दत्त शर्मा पुत्र श्री नत्थु राम शर्मा मकान न. 1653/44/19, गौतम नगर, रेवाड़ी का देहांत दिनांक 21.06.2021 को हो गया।

इनकी पुण्य तिथि के अवसर पर परिवारजनों, सगे सम्बन्धियों तथा जांगिड समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर भावभीनी श्रद्धाजंलि अर्पित की। इस अवसर पर परिवारजनो ने महासभा को 201/-रूपयें दानस्वरूप भेंट किये।

महासभा ईश्वर से प्रार्थना करती हैं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

ॐशांति... शांति ..शांति..

कंवरसिंह, जिला प्रधान रेवाड़ी

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि श्री रामशरण शर्मा मुख्य अभियन्ता सिंचाई विभाग से सेवा निवृत निवासी एल-001, पर्ल गेटवे टॉवर्स सेक्टर-44, नोएडा, उत्तर प्रदेश का देहान्त दिनांक 23.07.2021 को हो गया। इनकी पुण्य तिथि के अवसर पर परिवारजनों, सगे सम्बन्धियों तथा जांगिड समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर भावभीनी श्रद्धाजंलि अर्पित की। महासभा ईश्वर से प्रार्थना करती हैं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

ॐशांति... शांति ..शांति..

अशोक कुमार, उपप्रधान महासभा,गा0

BHARAT WHEEL

Manufacturer of Rims for Tractor,
Motor Vehicle, Earthmoving Machine.

Our valued customers

VECTRA MANITOU GROUP JCB ESCORTS

Bharat Wheel Private Limited
Muzaffarnagar Road, Shamli - 247776, UP, India
Email : info@bharatwheel.com
www.bharatwheel.com

SHARMA
Group of companies

FULFILLING DREAMS.

LATE SHREE
KANHAIYALAL SHARMA
(CHOYAL)

FOUNDER

HYUNDAI

AUTHORISED HYUNDAI DEALER
SHARMA HYUNDAI
Since 1998

Ashram Road Call : 9099978327	**Satellite** Call : 9099978334
Parimal Garden Call : 9099978328	**Naroda** Call : 9099938777

TOYOTA

Authorised Toyota Dealer : **NARMADA TOYOTA**
VADODARA : 9099916601 I ANAND : 9099916631/32

earth|0919

MORRIS GARAGES
Since 1924

Authorised MG Dealer :
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31

NRJ HEPL
CERTIFIED ISO 9001:2008 COMPANY
N.R.J. Hitech Engineers Pvt. Ltd.
(An ISO Certified company)
CIN-U74140DL2014PTC273625
Director
Naresh Kr. Jangra
9990392999
DEALS IN :
• Fire Fighting
• Hydrant System
• Sprinkler System
• Fire extinguishers
• Air Piping, Fire Alarm
• Smoke Detection System
• Fire Rated Doors
• Fire Pumps
• Electrical Installation
• Construction
FIRE
BREAK GLASS
PRESS HERE
B-207/S Kalindi Apartment, Samiah Lake City, Kashipur Road, Rudrapur (U.S.Nagar) Uttarakhand -263153
Head Office: RZ14, A-Block, Gali No. 1&2, Deenpur Extension, Najafgarh, New Delhi-43
E-mail : nrjhepl@gmail.com, nrjhitechengineers@gmail.com

Posted at: DELHI R.M.S., Delhi-06

Registered With The Registrar of News Papers For INDIA, Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2021-23
Posted Under Licence No. U(DN)39/2021 of Post without prepayment of postage

BLAZE INTERNATIONAL
POLYMERS RECYLING IMPORTER & EXPORTER OF POLYMERS
292, Sect. 2, KASEZ, Gandhidham (Kutch) Ph.: 02836-252950

POLYREC PROCESSORS P LTD.
PROCESSORS PVT. LTD.
IMPORTERS & EXPORTER OF POLYMERS
278/278, Sect. 3, KASEZ Gandhidham (Kutch) Gujarat
Phone : 02836-252830

RONAKSH INTERNATIONAL
Office : F-105, T.M. Tower, Near Joshi Petrol Pump
Gandhidham (Kutch) Gujarat, Mobile : 09978606178

VISHAL INTERNATIONAL
IMPORTERS & TRADERS OF PLOYMERS
B-770, NU-4, Sapna Nagar, Gandhidham (Kutch) Gujarat
E-mail : agglopast@gmail.com

Rudraksh Plastics Pvt. Ltd.
Shed #8B, Sector-2, Kandla Special Ecomomic Zone
Gandhidham (Kutch) Gujarat - 370230

माता मोहिनी देवी शर्मा मेमोरियल ट्रस्ट
गांधीधाम (कच्छ) गुजरात
– मुख्य उद्देश्य –
शिक्षा, राजनीतिक, सामाजिक उत्थान, गौ-सेवा, वैदिक प्रचार प्रसार

Printed, Published by Sh. J.P. Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) Akhil Bhartiya Jangid Brahman Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed at M/s. Kamal Printers, Anand Parbat, N.D.-05,Ph.:9810622239, Published at Delhi, Editor Sh. Om Prakash Sewal, 706/35, Near Triveni Park, Janta Colony,Rohtak, Hr.

सेवा में

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 August 2021
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

प्रेषक
अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110 006